वर्षः 7- अंकः 185, मुंबई, सोमवार, 18 सितंबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

आरक्षित कोचों में अब नहीं लगेंगे रिजर्वेशन चार्ट

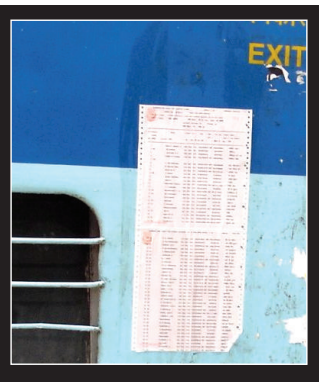

मुंबई। ट्रेनों के आरक्षित कोचों में यात्रियों को अब रिजर्वेशन चार्ट देखने को नहीं मिलेंगे। नई व्यवस्था के तहत रेल प्रशासन ने आरक्षित कोचों से रिजर्वेशन चार्ट हटाने का निर्णय लिया है। इसकी शुरूआत देश के सात बड़े स्टेशनों से होने जा रही है। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से ए वन ग्रेड के सभी स्टेशनों से शुरू होने वाली ट्रेनों से रिजर्वेशन कोच में लगने वाले चार्ट लगाए जाएंगे।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

यूपी भाजपा के अध्यक्ष महेंद्रनाथ पांडेय ने खुद को बताया टोल-फ्री

लखनऊ। अपने फोन नम्बरों को तो टोल-फ्री होते सुना होगा लेकिन क्या आपने कभी किसी सांसद को टोल-फ्री होते सुना है। जी हां उत्तर प्रदेश से भाजपा सांसद और प्रदेश भाजपा प्रमुख महेंद्रनाथ पांडेय ने खुद को ही टोल-फ्री बताया है। दरअसल, पूरा मामला कुछ यूं है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और चंदौली से सांसद महेंद्रनाथ पांडे को कुछ ही दिनों पहले केशव प्रसाद मौर्या की जगह भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

एयरपोर्ट पर बोर्डिंग पास सिस्टम खत्म हो सकता है

सीआईएसएफ ने दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली। एविएशन सिक्युरिटी एजेंसियां एयर ट्रैवेल को आरामदायक बनाने के लिए बोर्डिंग पास कलेक्शन सिस्टम खत्म करने की योजना बना रही हैं। इसकी जगह बायोमेट्रिक्स की मदद से एक्सप्रेस चेक-इन सिस्टम शुरू किया जाएगा। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दो प्रोजेक्ट पर काम कर रही सीआईएसएफ

ओपी सिंह ने कहा, हम 2 प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। पहला प्रोजेक्ट ये है कि एयरपोर्ट्स पर इंटीग्रेटेड सिक्युरिटी सोल्यूशंस कैसे लागू किया जाए। इसके लिए आपको सुरक्षा एजेंसियों के बीच के सभी बिंदुओं को जोड़ना होगा। इसे करने के लिए हमारे पास कई स्ट्रैटजी हैं। हमारे पास बायोमेट्रिक्स, वीडियो एनालिटिक्स और एक बहुत मजबूत एक्सेस कंट्रोल सिस्टम है। हम इन सभी चीजों को इंटरकनेक्ट करने की कोशिश करेंगे।

शरद गुट ने नीतीश को अध्यक्ष पद से हटाया

छोटू भाई वसावा बने जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष

नयी दिल्ली/पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के शरद यादव खेमे ने गुजरात से विधायक छोटू भाई वसावा को रविवार को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। जदयू नेता अरुण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जदयू की कार्यकारिणी की बैठक में यह फैसला किया गया। (शेष पृष्ठ 5 पर)

नशे की गर्त में डूबती देश की युवा पीढ़ी

स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर बने अवैध Kube लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर पर कोप्टा (COPTA) ॲक्ट के तहत जल्द से जल्द कार्रवाई की जाये (पढ़ें पृष्ठ 3 पर)

पकड़ा गया 'बाबा' का राजदार प्रदीप इंसां, हनीप्रीत के नेपाल भागने का किया खुलासा

(पढ़ें पृष्ठ 6-7 पर)

बीफ के कारण ट्रोल हुई काजोल ने सोशल मीडिया को बोला सिरदर्द

(पढ़ें पृष्ठ 12 पर)

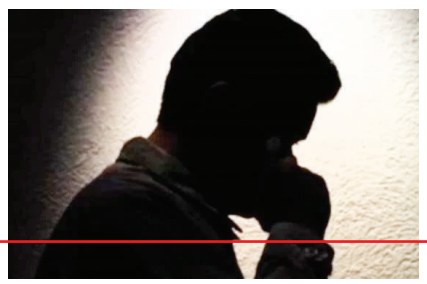

भारत के फर्जी संतों का सामने आया दुबई कनेक्शन

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की ओर से फर्जी संतों की सूची जारी होने के बाद एक के बाद एक नई बाते सामने आ रही हैं। हरिद्वार के एक संत के गायब होने के बाद जो बात सामने आई है उससे पुलसि भी हैरान है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ये किसान नहीं चाहते कर्जमाफी की भीख

मुंबई। महाराष्ट्र की सरकार जहां एक तरफ किसानों के कर्जमाफी की घोषणा कर 56 इंच सीना तान रही है, वहीं हजारों किसान ऐसे हैं, जो सरकार से कर्जमाफी की भीख नहीं चाहते। वे कहते हैं कि सरकार खेती करने की नई तकनीकी मुहैया कराए, उनकी फसलों का उचित मूल्य दे और खेती करने के लिए पानी मुहैया कराए। बस, उन्हें सरकार से कुछ और नहीं चाहिए। वे खेती कर देशभर की जनता को भोजन मुहैया कराने में पूरी तरह से सक्षम हैं। उनकी मांग है कि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू की जाएं।

पुणे जिले के जुन्नर तालुका में एक किसान महासम्मेलन का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में किसान अपनी महंगी-महंगी चमचमाती गाड़ियों से आए। ये ऐसे किसान हैं, जिनके पास बहुत ज्यादा जमीन नहीं है, फिर भी खेती से ही लाखों रुपये कमाकर दूसरे किसानों के लिए एक मिसाल पेश कर रहे हैं। किसान मेले में आने वाले कई ऐसे किसान थे, जो उच्च शिक्षा प्राप्त थे। वे चाहते तो दूसरे छात्रों की तरह देश-विदेश में नौकरी-धंधा कर मोटी रकम कमा सकते थे, लेकिन इन्होंने खेती की ओर रुख किया। आज ये एक सफल किसान है। पुणे जिले के जुन्नर तहसील रोखड़ी सेगांव के युवा किसान वैभव मुरादे

ने सन 2010 में संगमनेर के अमृतवाहिनी कॉलेज से इंजिनियरिंग की। वैभव ने 4 एकड़ जमीन में टमाटर, प्याज, अनार की खेती की। इससे उन्होंने 20-22 लाख रुपये कमाए। ओटूर गांव के किसान विकास ढोबले खेती में पानी के उपयोग पर बहुत ही बारीक नजर रखते हैं। कोठड़े गांव के राहुल भोसले अपने खेत में 700-800 ग्राम का अनार पैदा करते हैं। ये किसान शान से कहते हैं कि उन्हें सरकारी भीख, रहम, सब्सिडी नहीं चाहिए। उन्हें बस अपनी फसलों का उचित मूल्य चाहिए।

नई तकनीक से मिली मदद

इन किसानों की उपज बढ़ाने में सरकार की कोई भूमिका नहीं रही, बल्कि निजी कंपनियों ने इनकी जरूर मदद की। वे कहते है कि 'जेबा' जैसे उत्पाद का उन्होंने उपयोग किया, जिससे उनकी फसल में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे उनकी आय भी बढ़ी। राहुल बनकर कहते हैं कि पहले वे खेती से 10-12 लाख रुपये तक कमाते थे, लेकिन नई तकनीकी का उपयोग करने के बाद उनकी आय 20 से 22 लाख रुपये हो गई है।

वैभव मुरादे, इंजिनियर किसान कहते हैं, 'हमें सरकार से भीख नहीं चाहिए। हम मेहनतकश लोग हैं। हमें रोज नई-नई आ रही तकनीक, साधन-सुविधाएं चाहिए। हमें हमारी फसलों का उचित मूल्य चाहिए।'

कंपाउडर से 2 साल तक जबरन शारीरिक संबंध बनाने वाला डॉक्टर गिरफ्तार

ठाणे। क्लिनिक में काम करने वाली कंपाउंडर को काम पर से निकालने की धमकी देकर 2 साल तक शारीरिक संबंध बनाने वाले डाक्टर को ठाणे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए डाक्टर साहेबलाल यादव को श्रीनगर पुलिस की हिरासत में रखा गया है। शिकायत के मुताबिक वागले इस्टेट निवासी 22 वर्षीय पीड़िता वर्ष 2012 में शहर के सावरकर नगर निवासी डॉक्टर साहेबलाल यादव के हनुमान नगर स्थित क्लिनिक में बतौर कंपाउंडर कार्यरत थी। पुलिस के अनुसार, उस समय नाबालिग पीड़िता की मजबूरी का फायदा उठाते हुए उसे काम पर से निकालने की धमकी दी और फिर उसके साथ

शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद डॉक्टर का यह सिलसिला चल पड़ा और वह अक्सर पीड़िता के घर और मीरा रोड के एक लॉज में 2012 से 2014 तक की 2 साल के समय में कई बार शारीरिक संबंध बनाया। 2 साल बाद पीड़िता ने नौकरी छोड़ दी थी और हॉस्पिटल में बतौर नर्स काम करने लगी थी। इस बीच पीड़िता का विवाह हो गया और पिछले दिनों पीड़िता अपने बेटे के इलाज के लिए डाक्टर यादव के क्लिनिक में गई।

पुलिस का कहना है कि लम्बे अरसे की मुलाकात के बाद डाक्टर यादव ने पीड़िता के साथ अश्लील हरकत की। नाराज पीड़िता ने डाक्टर के खिलाफ श्रीनगर पुलिस स्टेशन में आईपीसी 376 ,354,506 तथा पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जिसके बाद पुलिस ने डाक्टर यादव को गिरफ्तार किया है।

तानसा में मिनी हाइड्रोइलेक्ट्रिकसिटी प्रोजेक्ट शुरू

मुंबई । मनपा का जलापूर्ति विभाग ने खुद की जरूरतों को पूरा करने को लेकर बिजली उत्पादन के क्षेत्र में पहल शुरू की है । जिसके तहत तानसा डैम में मिनी हाइड्रोइलेक्ट्रिकसिटी प्रोजेक्ट शुरू किया गया है जिससे 40 किलो वॅट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है । जिसपर 49 लाख खर्च किया गया था । वहीं मनपा के मध्य वैतरणा तालाब में सौर उर्जा पैनल एवं पवन चक्की लगाने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है जिसकी जानकारी कार्यकारी जल अभियंता संदीप कोर ने दी ।

गौरतलब है कि मुंबई महानगर में हर रोज 3 हजार 750 एमएलडी पानी 7 अलग -अलग जलाशयों से की जाती है,जिसमें तानसा,मोडक सागर एवं मध्य वैतरणा शामिल है .गुरुत्वाकर्षण पद्धति से तानसा डैम एवं मोडक सागर का पानी मुंबई पहुंचता है जबकि मध्य वैतरणा के गेट को खोलने एवं बंद करने में विद्युत का उपयोग किया जाता है .मध्य वैतरणा में 25 मेगावाट की बिजली परियोजना प्रस्तावित है लेकिन वर्तमान समय में जरूरतों को पूरा करने के लिए 40 किमी दूर से बिजली लायी जाती है .जंगल क्षेत्र होने की वजह से किसी तरह का फाल्ट होने से 2से 4 दिनों तक बिजली व्यवस्था ठप हो जाती है ।

तानसा डैम के परिचालन में बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए मिनी हाइड्रोइलेक्ट्रिकसिटी प्रोजेक्ट का प्रस्ताव कार्यकारी अभियंता आर सी मालवीय ने तैयार किया था । कार्यकारी अभियंता संदीप कोर ने बताया कि परियोजना लगाने में 49 लाख रुपए खर्च हुए हैं लेकिन इससे अनवरत बिजली मिलती रहेगी .15 से 20 लाख रुपए की बचत हो रही है .इसी तरह मध्य वैतरणा में सौर उर्जा का पैनल एवं पवन चक्की लगाने से डैम परिसर में जरुरत की बिजली का उत्पादन शुरू हो सकेगा .कनिष्ठ अभियंता शिवशंकर दावले ने बताया कि हाइड्रोइलेक्ट्रिकसिटी प्रोजेक्ट का देखभाल बहुत आसान है किसी तरह का खर्च नहीं है 6 महीने तक तानसा डैम के पानी से बिजली का उत्पादन होगा बाकी के दिनों में मोडक सागर के पानी का उपयोग किया जाएगा । जबकि कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि बिजली उत्पादन में एक बूंद भी पानी बर्बाद नहीं होता है,टर्बाइन से निकलने वाला पानी पाइप लाइन में डाल दिया जाता है ।

पश्चिम रेलवे स्टेशनों के खानपान इकाइयों की जाँच

मुंबई। रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाइयों की विभिन्न अनियमितताओं की जाँच हेतु पश्चिम रेलवे के सतर्कता विभाग द्वारा अगस्त, 2017 के दौरान सभी छह मंडलों के महत्वपूर्ण स्टेशनों पर जाँच अभियान चलाया गया। जाँच के दौरान यह पाया गया कि कई खानपान इकाइयाँ जैसे निजी स्टॉल और विक्रेता अधिक मूल्य पर या कम मात्रा में सामग्री ग्राहकों को बेच रहे थे। ऐसे विक्रेताओं की सूची आवश्याक कार्रवाई एवं दंड लगाने हेतु सम्बंधित मंडलों को भेज दी गई है। सितम्बर, 2017 में पश्चिम रेलवे पर पुनः उन्हीं खानपान इकाइयों सहित अन्य इकाइयों पर भी जाँचें आयोजित की गईं। इन जाँचों में बांद्रा टर्मिनस, मालाड, वलसाड सूरत, भरूच, आणंद, अंकलेश्वर, अहमदाबाद, पालनपुर, महेसाणा, राजकोट, सुरेन्द्रनगर,वेरावल तथा रतलाम स्टेशनों पर कुछ विक्रेताओं को निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य तथा कम मात्रा में सामग्री/ उत्पाद बेचने में लिप्त पाया गया। सम्बंधित मंडलों को इन विक्रेताओं के ऊपर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य सतर्कता अधिकारी राजकुमार लाल ने मंडल रेल प्रबंधकों से दोषियों के विरुद्ध अधिक से अधिक दंड लगाने सहित जिम्मेदार पर्यवेक्षकों पर भी कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं।

आर.के.स्टूडियों में आग, टीवी शो का सेट जलकर हुआ खाक

मुंबई। गोवंडी पुलिस के तहत चेंबूर स्थित आर.के. स्टूडियो में शनिवार दोपहर आग लग जाने से अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां, 5 टैंकर और 12 ऐम्बूलेंस को प्रशासन द्वारा रवाना कर दिया गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। बीएमसी आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, आग दोपहर करीब 2.30 बजे लगी थी। बताया जा रहा है कि इलेक्ट्रिक वायर में शॉर्ट सर्किट होने के चलते आग लगी और स्टूडियों में उपलब्ध सजावटी

समान के कारण आग जल्दी से फैल गई। लंबी-लंबी लपटें उठने लगीं। हालांकि, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने जल्दी ही आग पर काबू पा लिया। बीएमसी के अनुसार, आग स्टूडियो के ग्राउंड फ्लोर में लगी थी, जहां पर 'सुपर डांसर' टीवी शो का सेट बना हुआ है। पुलिस के अनुसार, शनिवार होने के कारण सेट पर कोई क्रू मेंबर मौजूद नहीं था। इस से वजह से जनहानि नहीं हुई है। गोवंडी पुलिस के मुताबिक, स्थिति पूरी तरह से

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नशे की गर्त में डूबती देश की युवा पीढ़ी

स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर बने अवैध Kube लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर पर कोप्टा (COPTA) ॲक्ट के तहत जल्द से जल्द कार्रवाई की जाये

अजोय मेहता
मनपा आयुक्त

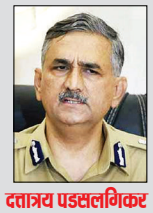

दत्तात्रय पडसलगिकर
मुं. पुलिस कमिश्नर

मनपा आयुक्त अजोय मेहता और मुंबई पुलिस आयुक्त दत्तात्रय पडसलगिकर से अपील है कि वे खुद स्टार बाजार मॉल और इसके टेरिस पर चल रहे Kube लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर के गैर कानूनी कामों को देखें और इसपर अविलंब सख्त कार्रवाई करने का आदेश जारी करें। नहीं तो यहां भी घाटकोपर हादसे जैसी दुर्घटना हो सकती है। क्योंकि Kube हुक्का पार्लर पर ओवरलोडिंग के कारण यह बिल्डिंग काफी खतरनाक हो चुकी है।

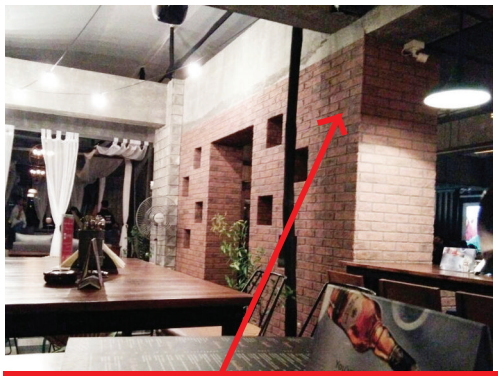

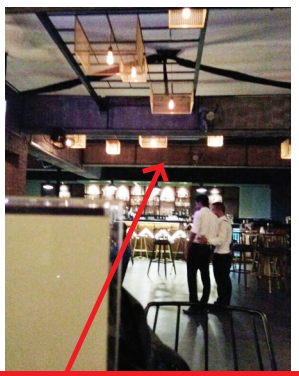

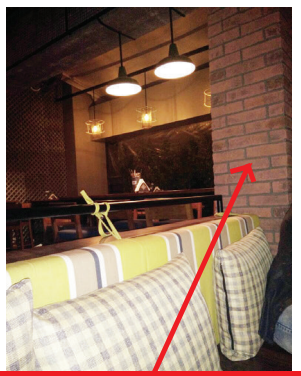

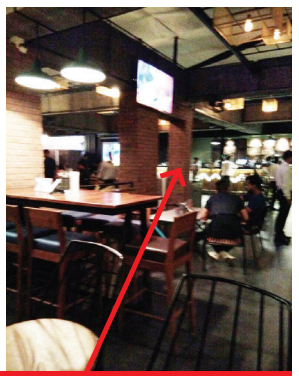

कमजोर और खतरनाक स्टार बाजार मॉल की टेरिस पर बने इस अवैध बांधकाम की दीवारों का बोझ क्या यह इमारत सह पाएगी?

मुंबई। अंधेरी पश्चिम में स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर संचालित Kube लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर में भारी भीड़ के कारण दुर्घटना का अंदेशा है। मुंबई महानगरपालिका ने इस हुक्का पार्लर के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। देश की युवा पीढ़ी नशे में बरबाद हो रही है, यह विषय तो अपनी जगह है ही। महानगरपालिका के के/वेस्ट वार्ड के संबंधित अधिकारी कोई कार्रवाई अभी तक नहीं किये हैं। ऐसे में मनपा आयुक्त अजोय मेहता को अवश्यक दखल देना चाहिए। यह हुक्का पार्लर देर रात तक चलता है, यहां कम उम्र के लड़के-लड़कियां की संख्या ज्यादा रहती है, भीड़ इतनी ज्यादा होती है कि हमेशा इमारत के ध्वस्त होने का खतरा बना रहता है।

स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर जो अवैध निर्माण किया गया है, उसे कांच, एल्युमिनियम....का सहारा देकर मोटी दिवार बनाई गई है, हुक्का पार्लर में भारी भीड़ के कारण यह **ओवरलोड** हो जाती है। मनपा आयुक्त अजोय मेहता और मुंबई पुलिस आयुक्त दत्तात्रय पडसलगिकर इस हुक्का पार्लर के गैर कानूनी कामों को देखें और इस पर समय रहते कार्रवाई करें ताकी लोगों के जान माल का खतरा न हो। मनपा आयुक्त और पुलिस आयुक्त को रियल स्टेट क्षेत्र की राजनीति मालूम है, बिल्डरों व राजनीतिज्ञों

स्टार बाजार मॉल की टेरिस पर बना अवैध क्यूब लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर

का गठजोड़ मालूम है, इस लिए समय रहते कार्रवाई करें। घाटकोपर की वो इमारत कैसे गिरी, जिसमें लोग मारे गये और मुंबई में एक और इमारत गिरी जिसमें लोग मारे गये। स्टार मॉल बाजार के टेरिस पर चल रहे हुक्का पार्लर में उभड़ी भीड़ के कारण किसी भी क्षण इसके गिरने का खतरा पैदा हो गया है। इसके बारे में हमने मनपा और पुलिस को पहले ही खबरदार किया है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। लगता है जैसे उसे किसी बडे हादसे का इंतेजार है। अंधेरी पश्चिम स्थित स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर चल रहे Kube लांज एंड क्लब के हुक्का पार्लर की वजह से एक तरफ देश की युवा पीढ़ी नशे के गर्त में डूबती चली जा रही है तो दूसरी तरफ इस मॉल की खतरनाक स्थिति के कारण लोगों की जिंदगी खतरे में पड़ गई है।

हुक्का पार्लर के कारण यहां काफी भीड़ जमा होती है उनकी गाडियां नीचे यातायात को भी प्रभावित करती हैं। इस कारण यहां कभी-कभी विवाद भी होता देखा गया है। इन सबके बावजूद मनपा के/वेस्ट वार्ड के अधिकारी लगता है जैसे सोये पड़े हुए हैं। उन्हें घाटकोपर हादसे जैसी किसी बड़ी दुर्घटना का इंतेजार है।

टोल प्लाजा पर किया एटीएम स्वाइप, लगा 87000 रुपए का चूना

मुंबई। दर्शन पाटिल नाम के एक व्यक्ति ने अपने बैंक एकाउंट से साइबर अपराधियों के द्वारा चुराए हुए 87,130 रुपए पाने का अंतिम आशा भी खो दी है। बैंक के जांच में यह पता लगा कि इस लेनदेन को ऑनलाइन माध्यम से पाटिल के एटीएम पिन के द्वारा किया गया है, इसलिए उनकी कमाई के पैसे, बैंक द्वारा वापस नहीं किए जाएंगे। साईबर चोरों ने इस गबन को 9 सितंबर को पाटिल द्वारा खालपुर टोल प्लाजा पर टोल देने के 2 घंटे के भीतर ही अंजाम दे दिया। पाटिल के साथ यह घटना 9 सितंबर को टोल देने के लिए खानपुर टोल प्लाजा पर एटीएम स्वाईप करने के 2 घंटे बाद हुआ। 9 सितंबर को पाटिल मुंबई से पुणे जा रहे थे उन्होंने शाम 6.27 बजे खानपुर टोल प्लाजा पर 230 रुपए का टोल देने के लिए अपना एटीएम स्वाइप किया था। इसके ठीक दो घंटो के भीतर ही लगभग 8.31 से 8.37 बजे रात में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। घटना के बाद पाटिल ने इसकी रिपोर्ट बैंक तथा हडपसर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी लेकिन पुलिस द्वारा इस घटना में एफआईआर दर्ज नहीं की गई जबकि एफआईआर दर्ज करना ऐसी किसी भी घटना में जरुरी होता है। घटना के बाद भी पाटिल चुराया पैसा बैंक से प्राप्त नहीं कर पायेंगे क्योंकि बैंक ने कहा है कि वह इसे वापिस नहीं कर करेंगे क्योंकि अपराधियों ने उनके एटीएम पिन को चुराकर इसका इस्तेमाल लेन-देन के लिए किया। अपराधियों यह इसलिए किया क्योंकि वह उनके मोबाइल से ओटीपी नहीं पा सकते थे। बैंक ने कहा कि, 'यह सभी लेनदेन सेकेंड फैक्टर प्रमाणीकरण (एटीएम पिन) के द्वारा किया गया था। इसलिए हम इस मामले में धनवापसी नहीं कर सकते हैं। इस मामले में और जानकारी के लिए आप बैंक मर्चेंटर से संपर्क करें।' यह जानकारी दर्शन पाटिल को आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहक सेवा अधिकारी संतोष कुमार वी को भेजे गये ईमेल के जबाब में प्राप्त हुआ। पाटिल ने बताया कि यह बहुत ही निराशाजनक है क्योंकि मैं मर्चेंटर को जानता भी नहीं हूं। मैं उनसे कैसे संपर्क करुंगा या वह मेरा पैसा कैसे वापस देंगे। मेरी सारी मेहनत से कमाया धन चोरी हो गया।

सूचना

वर्सोवा पोलिस थाने को मृत व्यक्ति बाबुलाल उम्र 65 से 70 तक, माथे पर-सफेद बाल, दाढी मूंछ बड़ी हुई, रंग-गोरा, उंचाई-5.3, पहनावा- सफेद रंग की बनियान और काले कलर की पॅन्ट, यह जानकारी के अनुसार इस व्यक्ति की लाश दि.11/9/2017 को मिली है लेकिन इसका पूरा नाम और पता नही मिल पा रहा है अगर कोई इसे जानता है तो कृपया वर्सोवा पोलिस ठाणे में संपर्क करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

चेतने का सही समय

यह अच्छा हुआ कि केंद्र सरकार ने समय रहते राज्य सरकारों को इसके लिए आगाह किया कि वे फसलों के अवशेष यानी पराली को जलाने से रोकने की व्यवस्था करें। राज्यों को यह चेतावनी देना इसलिए जरूरी था, क्योंकि अतीत का अनुभव यही बताता है कि सर्दियां शुरू होते ही पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खरीफ सीजन की फसलों की कटाई शुरू हो जाती है और इसी के साथ उनके अवशेष जलने लगते हैं। कहीं-कहीं तो फसलों के अवशेष के साथ ही कचरे और पत्तियां भी जलाने का काम होता है। नतीजा यह होता है कि उत्तर भारत के आसमान में धुएं और धूल की चादर फैल जाती है। प्रदूषण की यह चादर बीमारियां फैलाने के साथ ही अन्य समस्याएं खड़ी करती है। इस बार ऐसा न होने पाए, इसके लिए राज्यों को अभी से कमर कसनी होगी। वे सचमुच सतर्क रहें, इसके लिए उन्हें सलाह-सुझाव और चेतावनी देने के साथ ही यह देखने की भी जरूरत है कि उनकी ओर से पराली जलाने से रोकने के पर्याप्त उपाय किए भी जा रहे हैं या नहीं? यह मुस्तैदी इसलिए आवश्यक है, क्योंकि यदि एक बार फसलों के अवशेष जलाने से उपजा धुआं धूल के साथ मिलकर प्रदूषण के खतरनाक रूप स्मॉग में तब्दील हो जाए तो फिर गुबार देखते रहने के अलावा और कुछ नहीं किया जा सकता। दिल्ली में बैठे नीति-नियंताओं को यह कहीं अच्छे से पता होगा कि वायु प्रदूषण से निपटने में कारों को उनके सम-विषम नंबरों के हिसाब से चलाने से भी कुछ खास हाथ नहीं लगा था। फसलों के अवशेष जलाने से उपजे प्रदूषण की रोकथाम के लिए समय रहते प्रभावी उपाय करने में ही समझदारी है। बेहतर हो कि इसके लिए कोई सक्षम निगरानी प्रणाली विकसित की जाए। ऐसा न हो कि केंद्र सरकार राज्यों को निर्देश देकर कर्तव्य की इतिश्री कर ले और राज्य सरकारें अपने जिला प्रशासन को। बीते वर्षों में यह देखने में आ चुका है कि दिल्ली के आसपास के राज्यों में स्थानीय प्रशासन के स्तर पर किसी ने किसानों को इसके लिए रोका ही नहीं कि वे पराली, पत्तियां आदि न जलाएं। किसानों को जागरूक करने के साथ उन्हें पराली जलाने से होने वाले नुकसान से भी अवगत कराया जाना चाहिए। इसके साथ ही पराली के निस्तारण की भी व्यवस्था जरूरी है। ऐसी किसी व्यवस्था के अभाव में नई फसल के लिए खेत खाली करने की जल्दी में किसान उन्हें चोरी-छिपे जलाने का काम करते हैं। पंजाब में तो पराली से बिजली बनाने के संयंत्र लग रहे हैं, लेकिन क्या उन सभी राज्यों में ऐसा हो रहा है जहां किसान फसलों के अवशेष जलाते हैं? सर्दियों में वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि केवल उत्तर भारत की ही समस्या नहीं है। चूंकि ऐसी समस्या से देश के अन्य हिस्से भी ग्रस्त होते हैं इसलिए वायु प्रदूषण फैलाने वाले सभी कारणों के निवारण पर ध्यान दिया जाना चाहिए। बेहतर हो कि केंद्र सरकार समस्त राज्यों को निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल, खटारा वाहनों से होने वाले उत्सर्जन और कारखानों से निकलने वाले धुएं को नियंत्रित करने के निर्देश दे। निःसंदेह राज्यों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका प्रशासन इन निदेर्शों पर सही तरह अमल करे।

अमीर बनाम गरीब की राजनीति

बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर भारत और जापान के बीच हुए समझौते को साकार कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना एक और वायदा पूरा कर दिया। उन्होंने बुलेट ट्रेन चलाने के अपने वादे को पूरा करना अपनी प्राथमिकता सूची में रखा और उसी के परिणामस्वरूप पिछले दिनों जापानी प्रधानमंत्री शिंजो एबी ने अहमदाबाद में बुलेट ट्रेन परियोजना की नींव रखी। 2022 तक बुलेट ट्रेन को अहमदाबाद और मुंबई के बीच चलाने की तैयारी है। यह परियोजना कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण है। इससे न केवल भारत तेज रफ्तार ट्रेन प्रणाली वाले देशों में शामिल हो जाएगा, बल्कि उसके जरिये विकास और रोजगार के अवसरों के नए आयाम भी खुलेंगे। भारतीय रेल में नई तकनीक का समावेश एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी, क्योंकि आज भी अपने देश में रेलवे का कामकाज दशकों पुरानी तकनीक पर आधारित है और इसीलिए वह समस्याओं से घिरी हुई है। रेलों के संचालन, सुरक्षा, रखरखाव आदि में आमूल-चूल बदलाव की जो आवश्यकता है उसकी पूर्ति बुलेट ट्रेन परियोजना आसानी से कर सकती है। इस परियोजना के पहले चरण में मुंबई-अहमदाबाद को चुना गया है, लेकिन आगे चलकर ऐसी ट्रेनें कई अन्य शहरों के बीच चलाई जा सकती हैं, जिनमें दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोलकाता जैसे महत्वपूर्ण रेलखंड शामिल हैं। इसी के साथ अन्य तमाम शहरों के बीच बुलेट ट्रेन न सही, तेज गति वाली ट्रेनों को चलाने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो इससे महानगरीय जीवन में गुणात्मक परिवर्तन होगा।

आज देश के लगभग सभी महानगर बढ़ती आबादी की समस्या से जूझ रहे हैं। आने वाले समय में महानगरों में आबादी और तेजी से बढ़ेगी। ऐसे में यह आवश्यक है कि महानगरों के बीच तेज रेल संपर्क स्थापित हो। यूरोप के तमाम देशों के साथ-साथ जापान, दक्षिण कोरिया और चीन ने भी ऐसी ट्रेनें विकसित कर ली हैं जो एक घंटे में दो से तीन सौ किलोमीटर की दूरी तय करती हैं, जबकि भारत में ट्रेनें आज भी इतनी दूरी तय करने में तीन-चार घंटे लगाती हैं। इससे न केवल लोगों के समय की बबार्दी होती है, बल्कि उत्पादकता भी प्रभावित होती है। आज समय ही सबसे अधिक मूल्यवान है। समय की बचत लोगों को सहूलियत देने के साथ आर्थिक रूप से भी लाभकारी है। बुलेट ट्रेन का किराया सामान्य ट्रेनों से अधिक, लेकिन हवाई सफर की तुलना में कम होगा। चूंकि ईंधन की खपत भी हवाई जहाज के ईंधन से कम होगी इसलिए बुलेट ट्रेनें पर्यावरण को साफ-स्वच्छ रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगी।

यह आश्चर्यजनक है कि विपक्षी दलों के कई नेता बुलेट ट्रेन परियोजना की आलोचना कर रहे हैं। उनकी दलील है कि करीब एक लाख करोड़ रुपये की इस परियोजना से गरीबों को कोई फायदा नहीं मिलने वाला। यह एक कुतर्क के अतिरिक्त और कुछ नहीं। एक तो इस परियोजना की ज्यादातर लागत जापान वहन कर रहा है। उसने जिन आसान शर्तों में भारत को कर्ज दिया है उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। बुलेट ट्रेन को अभिजात्य वर्ग के लिए उठाया गया कदम बताकर विपक्षी नेता कुल मिलाकर अपनी संकीर्ण सोच का ही प्रदर्शन कर रहे हैं।

अपने देश की यह एक बड़ी विडंबना है कि राजनीतिक स्वार्थ के कारण विकास से जुड़ी हर पहल को अमीर-गरीब के चश्मे से देखा जाने लगता है। देश का पीछा न तो जाति आधारित राजनीति से छूट रहा है और न ही अमीर बनाम गरीब की राजनीति से। हमारे औसत राजनीतिक दल देश को विकसित बनाने का ख्वाब तो दिखाते हैं, लेकिन जब आम जनता के लिए आमूल-चूल परिवर्तन की व्यवस्था की बात आती है तो गरीबों के नाम पर संकीर्ण राजनीति शुरू हो जाती है। आज जिस तरह का विरोध बुलेट ट्रेन के नाम पर किया जा रहा है वैसा ही कुछ दिल्ली मेट्रो के लिए भी किया गया था। दिल्ली में जब सार्वजनिक परिवहन के नए साधन के रूप में बिना किसी

विदेशी निवेश के दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के सहयोग से मेट्रो की शुरूआत की जा रही थी तब उसका विरोध यह कहकर किया गया था कि इस पर तो अमीर लोग ही सफर करेंगे। आज 25 लाख से अधिक लोग मेट्रो में सवारी कर रहे हैं, जिनमें हर वर्ग के लोग शामिल हैं। कंप्यूटर के चलन के वक्त भी उसे गरीब विरोधी साबित करने की कोशिश की गई थी। इसी तरह जब हवाई सेवाओं की शुरूआत की जा रही थी तो भी उसे भारत जैसे देश के लिए अनुपयुक्त बताया गया था। सवाल यह है कि क्या आज हवाई सफर केवल अमीरों के लिए है और उससे गरीबों को कोई लाभ नहीं? सच यह है कि हवाई रूट के विस्तार और सस्ती उड़ान सेवाओं की शुरूआत के साथ एक बड़ी संख्या में आम लोग भी हवाई सफर करने लगे हैं।

आखिर राजनीतिक दल और खास तौर से कांग्रेस लोगों को उनकी गरीबी का अहसास दिलाकर क्या बताना चाह रही है? यह ठीक है कि भारत में अभी भी गरीबी है, पर लगातार यह कहते रहना कि तमाम व्यवस्थाएं केवल अमीरों के लिए हैं, कहीं न कहीं गरीब-वंचित आबादी को हतोत्साहित करना है। ध्यान रहे कि कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी एक समय यह तक कह चुके हैं कि सड़कों से गरीबों को कोई फायदा नहीं होता। ऐसे विचार कुल मिलाकर गरीबी को महिमामंडित करने और अमीर होने को एक बुराई के तौर पर चित्रित करने वाले हैं। शायद यही कारण है कि बात-बात पर यह कहा जाता है कि अमीर गरीबों को लूट रहे हैं। राजनेताओं द्वारा थोपी जा रही ऐसी ही मान्यताओं का दुष्परिणाम है कि अमीरों को गरीबों के विरोधी के तौर पर देखा जाना लगा है और इसी कारण किसी गाड़ी से किसी राहगीर या साइकिल सवार को हल्की टक्कर भी लग जाए तो उसे अमीर बनाम गरीब का मामला बना दिया जाता है। सभी को पता है कि अपने देश में किस तरह गरीबों के भले के नाम पर झुग्गी बस्तियों के विस्तार को मंजूरी दी जाती है या फिर सड़कों पर अतिक्रमण की अनदेखी की जाती है? बहुत समय नहीं हुआ जब गरीबों को फुसलाने के लिए रेलमंत्री के रूप में लालू यादव ने गरीब रथ नाम से एक ट्रेन चलाई थी। यह नामकरण अमीर-गरीब की खाई को दिखाने वाला काम ही था, जबकि यह ट्रेन सभी के लिए थी।

निःसंदेह निर्धनों के उत्थान के लिए सरकार को खास ध्यान देने के साथ-साथ तमाम ऐसी योजनाओं पर बेहतर ढंग से कार्य करने की जरूरत है जिससे गरीबों का उत्थान हो सके, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि जब तक गरीबी दूर न हो जाए तब तक किसी तरह के कोई नए काम न किए जाएं। यह समझने की जरूरत है कि बुलेट ट्रेन जैसी परियोजनाएं भी गरीबों के उत्थान में सहायक बन सकती हैं, क्योंकि इससे विकास को नया आयाम मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। चूंकि बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने के काम में शुरूआत में बड़ी लागत आती है इसलिए आज कुछ लोगों को यह परियोजना महंगा सौदा लग सकती है, लेकिन देश के बेहतर भविष्य के लिए ऐसी परियोजनाओं को टाला नहीं जा सकता।

गोलाबारी से जीना मुहाल

केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह के हाल ही के जम्मू दौरे के दौरान पाकिस्तान को उसी के अंदाज में गोलाबारी का मुंहतोड़ जवाब दिए जाने के बयान के बाद जम्मू अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से गोलाबारी में अचानक तेजी आना गहन चिंता का विषय है। पाकिस्तान की हमेशा कोशिश रहती है कि केंद्रीय मंत्रियों के बयान के बाद गोलाबारी में इजाफा कर किसी तरह उनके बयानों को नकारा जा सके। इसी कड़ी के तहत पाकिस्तान ने पिछले कुछ दिनों से शांत पड़े अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गोलाबारी कर सरकार को यह जताने की कोशिश की है कि जम्मू-कश्मीर एक अशांत क्षेत्र है और जब चाहे वे गोलाबारी कर यहां जनजीवन को अस्त व्यस्त कर सकता है। इसमें पाकिस्तान की बौखलाहट झलकती है, जिसका खामियाजा सीमांत लोगों को उठाना पड़ रहा है। जम्मू के आरएसपुरा के अरनिया और अखनूर के परगवाल सब सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से रिहायशी इलाकों में गोलाबारी चिंताजनक है। बेशक बीएसएफ के जवान गोलाबारी का मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं, लेकिन गोलाबारी से प्रभावित लोग भी अब लोग भी रोज-रोज की खिचखिच का स्थायी समाधान चाहते हैं। सीमावर्ती क्षेत्र रणभूमि बन कर रह गए हैं, उन्हें लगता है कि अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को करारा जबाव दिया जाए, क्योंकि सीमांत वासियों ने अपनों को खोया है। उनके दर्द को वही समझ सकते हैं जिन्होंने अपने करीबियों को गंवाया है। गोलाबारी के कारण बच्चों की पढ़ाई से लेकर किसानों की दिनचर्या प्रभावित होकर रह गई है। इस समय सीमांत क्षेत्रों मे बासमती धान की फसल पकने के कगार पर है। किसान अपने खेतों मे जा नहीं पा रहे। बीएसएफ ने भी किसानों को बॉर्डर के साथ लगते खेतों में जाने से मना किया हुआ है। अगर गोलाबारी चलती रही तो किसानों की रोजी रोटी पर बन आएगी। गत वर्ष भी पाकिस्तान ने दिवाली के आसपास गोलाबारी की थी, जिससे जानमाल का काफी नुकसान हुआ था। सरकार को चाहिए कि वे सीमांत क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जमीन मुहैया करवाए ताकि वे गोलाबारी की स्थिति में वहां चले जाएं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, सोमवार
18 सितंबर, 2017

05

अब खुले में शौच करते पकड़ाए तो पोस्टर में छपेगी फोटो

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के उपनगर उल्हासनगर को खुले में शौच मुक्त बनाने के लिए महानगर पालिका (यूएमसी) अब एक नया प्रयोग करने जा रही है। उल्हासनगर महापालिका अब खुले में शौच करने वालों के

फोटो खींचकर शहर भर में उसके पोस्टर, बैनर लगवाने की तैयारी में है। इसके पीछे महानगर पालिका का तर्क है कि सार्वजनिक रूप से बेइज्जती और शर्म का अनुभव करने के बाद शायद लोगों में थोड़ी जागरूकता आ जाए। यूएमसी ने इसके लिए एक कार्ययोजना भी बना ली है। जिसके तहत एक पेट्रोलिंग दस्ते का गठन किया जाएगा, दस्ते को जैसे ही कोई खुले में शौच करते नजर आएगा तो तुरंत उसकी फोटो खींच ली जाएगी। जिसके बाद उस फोटो को पूरे उल्हासनगर में पोस्टर और बिलबोर्ड में छापा जाएगा। यूएमसी के सिविक चीफ राजेंद्र निंबालकर ने इस प्लान के बारे में बात करते हुए बताया कि आने वाले दिनों में 'स्वच्छता अभियान' में इसका असर भी नजर आएगा। टीमों ने शहर में गश्त करते हुए खुले में शौच करने वालों की तस्वीरें खींचना भी शुरू कर दी है। शहर भर में मोबाइल टॉयलेट के साथ सार्वजनिक टॉयलेट्स की मरम्मत और निर्माण किया गया, बावजूद इसके लोगों ने स्वच्छ भारत अभियान का माखौल उड़ाना बंद नहीं किया है। यूएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने कर्मचारियों को ऐसे लोगों पर बेहद सख्ती से कार्रवाई करने के आदेश दिए है। जुमार्ने के अलावा जरूरत पड़ने पर पुलिस कार्रवाई करने की भी बात अधिकारी ने की।

एटीएम से बाहर आते ही लूट लेता था शातिर

आया पुलिस की गिरफ्त में

ठाणे। पिछले कई महीनों से भिवंडी और उसके आसपास के इलाकों में लोगों द्वारा एटीएम से पैसा निकालने के बाद उन्हें चाकू की नोक पर लूटने की कई घटना सामने आ रही थी। एटीएम के बाहर लगातार हो रही इस तरह की लूटपाट पर रोक लगाने के लिए ठाणे पुलिस आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही थी। इसी जांच के दौरान शुक्रवार को एक संदिग्ध पुलिस की गिरफ्त में आया।

शांति नगर पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर किशोर जाधव ने बताया कि, गिरफ्त में आए शख्स की पहचान संतोष मोहिते के रूप में हुई है। आरोपी संतोष मोहिते सबसे पहले एटीएम के अंदर जाकर देखता था कि कौन कितना पैसा निकाल रहा है। इसके बाद वह बाहर खड़े अपने साथी को इसकी जानकारी देता था। जिसके बाद ये लोग जाल बिछाकर चाकू की नोख पर पैसे लूटते थे और फरार हो जाते थे। पुलिस ने वारदात वाली जगहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक करने पर पीला रंग की टीशर्ट पहना हुआ एक लड़का एटीएम के अंदर घुसता नजर आया। वह अंदर घुसकर पैसे निकालने वालों को देखता है और फिर बाहर जाकर अपने दोस्त से बात करने लगता है। पुलिस को युवक पर संदेह हुआ और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू हुई। कुछ देर की पूछताछ में आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया।

4 मामलों का हुआ खुलासा : *पुलिस की माने तो इस इस तरह की वारदात को अंजाम देने वाले तीन लोग है, जिसमे से मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में 4 लूटपाट की घटना को अंजाम देने की बात कबूली है। पुलिस के हाथ जुलाई का एक वीडियो भी लगा है जिसमें आरोपी एटीएम में घुसते हुए और वहां से निकलते हुए नजर आ रहा है। पुलिस ने बताया कि, ये लोग अपने पास हमेशा रामपुरी चाकू रखते थे और जैसे ही लोग एटीएम से बाहर पैसा निकालकर आते वैसे ही उन्हें चाकू दिखाकर लूट कर फरार हो जाते थे।*

ट्रेनों के कोच के बाहर नहीं लगेगी आरक्षण सूची

मुंबई। रेलवे ने अब नई दिल्ली, मुंबई सेंट्रल, मुंबई सीएसटी, चेन्नै सेंट्रल, कोलकाता हावड़ा जंक्शन व कोलकाता सियालदह जंक्शन से बनकर चलने वाली ट्रेनों के कोच के बाहर आरक्षण सूची नहीं लगाने का फैसला किया है। अगर आपका टिकट वेटिंग या आरएसी में है, तो आप टिकट कलक्टर (टीसी) से या फिर ऑनलाइन पता कर सकते हैं। रेलवे की हेल्पलाइन 139 पर भी जानकारी मिल जाएगी। अब खाने को लेकर किसी तरह की शिकायत टैब के जरिए की जा सकेगी। शनिवार से इसे तेजस, राजधानी, अगस्त क्रांति व शताब्दी एक्सप्रेस में शुरू किया गया है। इन ट्रेनों में रेलवे स्टाफ के पास टैब होगा। इस टैब में रेल यात्री अपना नाम, फोन नंबर आदि और खाने के बारे में जानकारी डाल देंगे। यात्री अच्छा या खराब को लेकर पॉइंट्स भी दे सकेंगे। इसके बाद यात्री के मोबाइल पर मैसेज आएगा। यात्री की फीडबैक पर रेलवे इसमें सुधार करेगा।

राज्य के 10 प्रतिशत बच्चे कुपोषित: रिपोर्ट

मुंबई। कुपोषण को खत्म करने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं के बावजूद राज्य के 10 प्रतिशत से अधिक बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। इंटिग्रेटेड चाइल्ड डिवेलपमेंट सर्विसेज (आईसीडीएस) की अप्रैल रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 60,69,756 बच्चों की जांच की गई। इसमें 5,52,746 (9.11%) बच्चे कुपोषित, जबकि 79,619 (1.31%) गभीर रूप से कुपोषण का शिकार पाए गए हैं। विशेषज्ञों की मानें, तो सरकार द्वारा कुपोषण से लड़ने के लिए चलाई जा रही नीतियों में पिछले कुछ सालों में किए गए बदलाव के कारण यह स्थिति देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 336 आंगनवाड़ी केंद्र बगैर चाइल्ड डिवेलपमेंट प्रॉजेक्ट ऑफिसर और असिसटेंट चाइल्ड डिवेलपमेंट प्रॉजेक्ट ऑफिसर के संचालित हो रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार पदों के रिक्त होने के कारण भी कुपोषण से लड़ने में दिक्कत हो रही है। रिपोर्ट पर नजर डालें, तो केवल अप्रैल महीने में 1,236 दुधमुंहे बच्चों की मौत हुई है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

आरक्षित कोचों में अब नहीं...

दरअसल लंबे समय से यात्रियों की शिकायत मिल रही थी कि आरंभिक स्टेशन से चलने के बाद बीच रास्ते रिजर्वेशन चार्ट या तो फट जाते हैं या गिर जाते हैं। यात्रियों की इस समस्या को देखते हुए पूर्व रेलमंत्री सुरेश प्रभु के कार्यकाल में रिजर्वेशन करवाने के दौरान यात्रियों से उनका मोबाइल नंबर लिया जाने लगा। ताकि ट्रेन का चार्ट बन जाने के बाद संबंधित यात्रियों के मोबाइल पर उसका मैसेज पहुंच जाए। इस व्यवस्था से आरएसी और प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को खासी राहत मिली। इसके अलावा प्रमुख स्टेशनों पर रेलवे द्वारा इलेक्ट्रानिक रिजर्वेशन चार्ट भी लगा दिए गए हैं। इस व्यवस्था के बाद अधिकांश यात्री अब ट्रेनों में लगे चार्ट को नहीं देखते। मोबाइल मैसेज, ई-मेल के बढ़ते प्रयोग और रेलवे की 139 सेवा द्वारा भी यात्रियों को उनके आरक्षित कोच की सूचना दिए जाने के बाद रेलवे बोर्ड के डायरेक्टर पैसेंजर मार्केटिंग विक्रम सिंह ने पत्र जारी करके नई दिल्ली, निजामुद्दीन, मुंबई सेंट्रल, छत्रपति शिवाजी टर्मिनल, चेन्नई, हावड़ा और सियालदाह से चलने वाली ट्रेनों में प्रयोग के तौर पर अगले तीन माह के लिए आरक्षित कोचों में चार्ट न लगाने का फरमान जारी किया है। इन स्टेशनों से इलाहाबाद आने वाली भी कई ट्रेनें है। अगले दो माह रेलवे द्वारा इसकी मॉनीटरिंग कर यात्रियों का फीडबैक भी लिया जाएगा। बाद में चरणबद्ध तरीके से ए वन ग्रेड के अन्य स्टेशनों से चलने वाली ट्रेनों से भी रिजर्वेशन चार्ट हटाए जाएंगे। ह्यप्रयोग के तौर पर रेलवे बोर्ड अभी यह व्यवस्था लागू करने जा रहा है। लंबे समय से यात्रियों को उनके मोबाइल पर ही मैसेज मिल जा रहे हैं। इस व्यवस्था से कागज की भी बचत होगी।

भारत के फर्जी संतों का सामने आया...

अध्यक्ष श्रीमहंत नरेंद्र गिरी महाराज ने बड़ा अखाड़ा के महंत मोहनदास का कहना है कि उन्हें लगातार धमकी भरे फोन आ रहे हैं। बड़ा अखडा. में एसएसपी तथा पत्रकारों से वार्ता करते हुए श्रीमहंत नरेंद्र गिरि ने कहा कि पिछले दिनों जारी की गई फर्जी संतों की सूची के बाद से उन्हें और महंत मोहनदास महाराज को धमकी भरे पत्र आ रहे थे। उन्होंने बताया कि मुझे तो दुबई से फोन आया और फर्जी संतों के मामले से पीछे हटने तथा बात नहीं मानने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। इस बारे में उन्होंने इलाहाबाद में पुलिस में रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। ऐसे में अब पुलसि इस बात से हैरान है कि आखरि दुबई से इस बात का क्या कनेक्शन हो सकता है। धमकी देने वाले और उनके मकसद के बारे में नरेंद्र गिरि ने कुछ नहीं बताया। वह इतना जरूर बोले कि फर्जी संतों के मामले को लेकर जब से चर्चा शुरू हुई तब से इस तरह के फोन आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि संतों ने बैठक कर इस पूरे मुद्दे पर चर्चा की तथा शासन- प्रशासन के साथ ही मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के संज्ञान में भी इस मामले को लाने का निर्णय लिया गया। श्रीमहंत नरेंद्र गिरी ने अखाड़ा में रीयल स्टेट के बढ़ते कारोबार को लेकर संतों का बचाव किया। कहा कि अखाड़े की जमीन पर फ्लैट बनाकर किराया वसूलना कोई गलत बात नहीं है। अगर संपत्ति को खुर्द- बुर्द करता है तो वह गलत है। उन्होंने संतों के राजनीति में आने को भी सही ठहराया, लेकिन कारोबार करने को गलत बताया।

एयरपोर्ट पर बोर्डिंग पास सिस्टम...

एयरपोर्ट सिक्युरिटी फोर्स सीआईएसएफ ने इसका प्रस्ताव दिया है। बता दें कि देश में एक दर्जन से ज्यादा एयरपोर्ट पर हैंड बैगेज पर टैग लगाने का सिस्टम पहले ही खत्म किया जा चुका है। सीआईएसएफ के डायरेक्टर जनरल ओपी सिंह ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा, हमनें 59 एयरपोर्ट पर बोर्डिंग कार्ड-लेस सिस्टम के लिए जरूरी तकनीक की संभावनाओं पर विचार करना शुरू कर दिया है। ऐसी बाकी सिविल फैसिलिटीज भी फ्यूचर में 'यूनिफाइड कमांड' के तहत इसके अंतर्गत आ जाएंगी।

यूपी भाजपा के अध्यक्ष महेंद्रनाथ पांडेय...

सांसद महोदय पंडित दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा का लोकार्पण करके दीनदयाल धाम से वापस आ रहे थे और रास्ते में फिरोजाबाद के पास पड़ने वाले टोल-प्लाजा पर अपनी गाड़ी का और काफिले में चल रही गाड़ियों का टोल टैक्स दिए बिना ही आगे बढ़ गए। बाद में मीडिया कर्मियों ने जब इस पर सवाल पूंछा तो महेंद्रनाथ पांडे ने कहा कि हम सांसद हैं और हम टोल-फ्री हैं। फिर जब उनके काफिले में चल रही गाड़ियों के बारे में पूछा गया तो उस सवाल को टालते हुए कहा कि और कोई सवाल है तो बताओ। इस पूरे मामले का वीडिओ सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, ये पहला मामला नहीं है जिसमें इस तरह से किया गया हो। अभी कुछ दिनों पहले ही यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बाराबंकी में अपनी 175 गाड़ियों के काफिले के साथ बिना टोल-टैक्स दिए ही निकल गए थे।

शरद गुट ने नीतीश को अध्यक्ष पद...

हाल ही में गुजरात से राज्य सभा की तीन सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार अहमद पटेल को वसावा के वोट से ही जीत मिल सकी थी। बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी अध्यक्ष पद पर नियुक्ति को रद्द कर वसावा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी के उपाध्यक्ष के राजशेखरन की अध्यक्षता में हुई कार्यकारिणी की बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खेमे द्वारा महागठबंधन तोड़ कर भाजपा के साथ गठजोड़ करने सहित अन्य फैसलों को भी रद्द कर दिया गया।

'अजहर को न्याय के कटघरे में लाने तक चैन से नहीं बैठेगा भारत'

संयुक्त राष्ट्र द्वारा मसूद अजहर को जल्दी ही आतंकी घोषित किए जाने की उम्मीद जताते हुए भारत के एक शीर्ष राजनयिक ने कहा है कि जब तक पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद के इस नेता को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जाता, तब तक भारत चैन से नहीं बैठेगा।

पठानकोट आतंकी हमले का मास्टर माइंड अजहर - भारत ने अजहर की पहचान 2 जनवरी 2016 को पठानकोट में हुए आतंकी हमले के मास्टर माइंड के रूप में की थी। भारत ने उसके भाई रउफ और 5 अन्य को भी हमला करने का आरोपी बताया था। उक्त हमले में भारत के 7 जवान शहीद हुए थे। इसके अलावा 6 आतंकी भी मारे गए थे।

अजहर को न्याय के कटघरे में लाने तक चैन से नहीं बैठेगा भारत - संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरूद्दीन ने यहां कहा, न्यायिक शब्दों

में कहें तो यह मामला विचाराधीन है। इस समय यह मामला संयुक्त राष्ट्र की समिति के समक्ष है। हम उम्मीद करते हैं कि समिति मसूद अजहर को आतंकी का दर्जा देने की अपनी भूमिका निभाएगी। हमने कई बार उसे आतंकी घोषित करवाने की कोशिश की है लेकिन अब तक इसमें सफलता नहीं मिली है। अजहर को आतंकी का दर्जा दिलाने के भारत के प्रयासों से जुड़े सवाल के जवाब में उन्होंने कल कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहेंगे कि हमारी ओर से मसूद अजहर का मामला तब तक उठाया जाता रहेगा, जब तक कि उसे न्याय के कटघरे नहीं लाया जाता।

भारत के प्रस्ताव को अमरीका, फ्रांस और ब्रिटेन का समर्थन - अजहर को आतंकी घोषित करवाने के भारत के प्रयासों को बार-बार चीन अवरूद्ध करता रहा है। पठानकोट हमले के मास्टरमाइंड को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकी घोषित करवाने के भारत के प्रस्ताव को अमरीका, फ्रांस और ब्रिटेन का समर्थन है। अगस्त में चीन ने इस प्रस्ताव पर अपनी तकनीकी रोक की अवधि को तीन माह का विस्तार दे दिया था। यदि चीन ने रोक को यह विस्तार नहीं दिया होता तो अजहर स्वतः ही संयुक्त राष्ट्र की ओर से एक आतंकी घोषित हो जाता। चीन की तकनीकी रोक की अवधि दो नवंबर को खत्म हो रही है।

चंदा जुटाने अमरीका गए राहुल गांधी!

कांग्रेसी उपाध्यक्ष राहुल गांधी की ताजपोशी की तैयारियां जोरों पर हैं, बतौर कांग्रेस अध्यक्ष उनके राजतिलक का ऐलान 19 नवम्बर उनकी दादी श्रीमती इंदिरा गांधी के 100वें जन्मदिन से पहले किसी भी दिन हो सकता है और इस बात के संकेत कांग्रेस के बड़े नेताओं के बोल वचन से मिलने लगे हैं। वीरप्पा मोइली का तो बाकायदा बयान आ गया है।

ऐसे में राहुल गांधी के समक्ष सबसे महती चुनौती कांग्रेस के खाली पड़े खजाने के लिए चंदा जुटाने की है क्योंकि यह राहुल भी जानते हैं कि बगैर धन और बड़े मन से 2019 में मोदी-शाह जोड़ी से मुकाबला नहीं किया जा सकता है। सो इस बार राहुल की अमरीका यात्रा का मकसद पार्टी खजाने के लिए फंड जुटाने का भी था। सूत्र बताते हैं कि राहुल और उनकी कोर टीम ने 10 मिलियन डॉलर चंदा जुटाने का लक्ष्य रखा था। राहुल की कोर टीम लगातार राहुल के कार्यक्रमों को अमरीका में संचालित कर रहे कांग्रेस के ओवरसीज विंग के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के संपर्क में थी।

सूत्रों की मानें तो पित्रोदा ने शुरू में ही साफ कर दिया था कि इस दफे इतनी बड़ी रकम जुटा पाना राहुल के लिए मुमकिन नहीं होगा, पित्रोदा का तर्क था कि अमरीका में अनिवासी भारतीयों में 2 समुदायों के पास ही सबसे ज्यादा पैसा है, इनमें से एक सिख हैं तो दूसरे गुजराती। 1984 के सिख दंगे के बाद से ही सिख समुदाय और कांग्रेस के बीच एक स्वाभाविक दूरी बन गई है, वहीं गुजराती समुदाय गुजराती कनैक्शन के चलते मोदी के सिवा किसी और को पैसे ही नहीं देना चाहता। ऐसे में राहुल के साथ अमरीका जा रही कोर टीम ने ये प्रस्ताव रखा कि राहुल के साथ अमरीका में लंच या डिनर करने की एक बड़ी कीमत रखी जाए, पर यह योजना भी सिरे नहीं चढ़ पाई।

पकड़ा गया 'बाबा' का राजदार प्रदीप इंसां, हनीप्रीत के नेपाल भागने का किया खुलासा

डेराप्रमुख राम रहीम और हनीप्रीत के राजदार प्रदीप गोयल इंसा को एसआईटी ने पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। 10 अफसरों के साथ हरियाणा पुलिस की स्पेशल टीम उदयपुर पहुंची, जहां उन्होंने सेक्टर-14 नाकोड़ा नगर निवासी गोयल इंसा को हिरासत में लिया है। पुलिस पूछताछ में प्रदीप गोयल ने खुलासा किया है कि हनीप्रीत नेपाल भाग गई है। सूत्रों के मुताबिक राम रहीम की सजा पर फैसले के दिन प्रदीप को भीड़ लाने का टार्गेट मिला था। उसने हर व्यक्ति को 25 हजार रु. का लालच दिया था।

आब तक डेरा मामले में पांच इंसां रिमांड पर हैं और पुलिस हनीप्रीत की गिरफ्तारी के लिए जगह जगह छापेमारी कर रही है।

ब्राईट के योगेश लखानी को बेस्ट आउटडोर कंपनी का अवार्ड पावर ब्रांड अवार्ड 2017 में मिला

ब्राईट के योगेश लखानी जो सारे बड़े अवार्ड, फिल्म, कॉर्पोरेट, सामाजिक इवेंट्स में आउटडोर पार्टनर रहते हैं, उन्हें इस साल कई अवार्ड से सम्मानित किया गया है। हाल ही में हुए पावर ब्रांड अवार्ड में उन्हें फिल्मी हस्तियों के साथ सम्मानित किया गया। उन्हें बेस्ट आउटडोर कंपनी का अवार्ड मिला। इस अवार्ड का आयोजन किया था अरिंदम चौधरी ने। ऋषि कपूर, नीतू सिंह, दिव्या दत्ता, राकेश ओम प्रकाश, स्वेता पंडित, शान, अंकित तिवारी और जानेमाने लोगों को अवार्ड से सम्मानित किया गया।

योगीराज में बदमाशों पर गिरी गाज, 390 एनकाउंटरों में 15 ढेर और 1106 गिरफ्तार

अपने गठन के शुरूआती दौर में कानून-व्यवस्था को लेकर योगी सरकार काफी किरकिरी झेल चुकी है। यूपी में 6 महीने पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार बनाई है। प्रदेश सरकार ने अपराधियों में खौफ पैदा करने के लिए चलाए अभियान के तहत 390 मुठभेड़ों के दौरान 1106 बदमाशों को गिरफ्तार किया है और 15 को मार गिराया है।

राज्य के पुलिस महानिदेशक सुलखान सिंह ने बताया कि पिछले 5 महीने में 390 मुठभेड़ों में अपराधियों को मार गिराने और उनकी गिरफ्तारी के दौरान एक पुलिस उपनिरीक्षक शहीद हुआ तथा 88 पुलिसकर्मी भी घायल हुए। सिंह ने बताया कि मुठभेड़ों में गिरफ्तार किए गए या मारे गए अपराधियों में से करीब 80 फीसदी इनामी थे। इन पर 5000 से लेकर एक लाख रुपए तक का इनाम घोषित था। उन्होंने बताया कि राज्य के पश्चिमी इलाके मेरठ जोन में सर्वाधिक 193 मुठभेड़ जबकि सबसे कम गोरखपुर जोन में मात्र दो मुठभेड़ हुई।

उन्होंने बताया कि आगरा जोन में 84, बरेली जोन में 60, कानपुर जोन में 44, इलाहाबाद जोन में 19, लखनऊ जोन में 7 और वाराणसी जोन में 11 मुठभेड़ हुईं। उन्होंने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरुप भू-माफियाओं के खिलाफ चलाए गए अभियान में करीब 40 करोड़ रुपए की सम्पत्ति जब्त की गई और 54 अपराधियों को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून(रासुका) के तहत निरुद्ध किया गया।

सिंह ने बताया कि अपराध और अपराधियों पर हर हाल में अंकुश लगाने के लिए गृह विभाग के प्रमुख सचिव को 5 लाख

रुपए और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को अपराधियों के सिर पर ढाई लाख रुपए तक इनाम घोषित करने का अधिकार दे दिया गया। अभी तक गृह विभाग के प्रमुख सचिव को ढाई लाख रुपए और डीजीपी को 50 हजार रुपए का इनाम घोषित करने का अधिकार था।

राज्य सरकार ने अपराधियों में खौफ पैदा करने के लिए डीजीपी के साथ ही जोनल अपर पुलिस महानिदेशकों को अपराधियों की धरपकड़ या दण्डित करने पर 1 लाख रूपए तक के इनाम घोषित करने का अधिकार दे दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक (अपराध), पुलिस महानिरीक्षक और परिक्षेत्रों के पुलिस उप महानिरीक्षक को 50 हजार रुपए का इनाम घोषित करने का अधिकार मिल गया है। अभी तक इन्हें मात्र 15 हजार रुपये तक इनाम घोषित करने का अधिकार था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक अब 25 हजार रूपए तक इनाम घोषित कर सकेंगे। अभी तक यह केवल 5000 रूपए थी।

खालिद बाबु कुरैशी एनसीपी के वरिष्ठ नेता अभी बीजेपी में शामिल हुये।

अलविदा अर्जन: कभी रिटायर नहीं हुआ यह 'युद्ध नायक'

अर्जन सिंह सेना के 5 स्टार रैंक अफसर थे। देश में पांच स्टार वाले तीन सैन्य अधिकारी रहे थे, जिनमें 2 अन्य फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ और फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा हैं, ये दोनों भी जीवित नहीं हैं। ये तीनों ही ऐसे सेनानी रहे, जो कभी सेना से रिटायर नहीं हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार शाम अर्जन सिंह से मिलने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। इससे पहले रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी अस्पताल जाकर उनका हाल-चाल जाना था। चीन के साथ 1962 की लड़ाई के बाद 1963 में उन्हें वायु सेना उप-प्रमुख बनाया गया था।

एक अगस्त 1964 को जब वायु सेना अपने आप को नई चुनौतियों के लिए तैयार कर रही थी, उस समय एयर मार्शल के रूप में अर्जन सिंह को इसकी कमान सौंपी गई थी। मार्शल अर्जन सिंह का जन्म 15 अप्रैल 1919 को लायलपुर (फैसलाबाद, पाकिस्तान) में हुआ था और उन्होंने अपनी शिक्षा पाकिस्तान के मोंटगोमरी से पूरी की थी। अर्जन सिंह 19 वर्ष की उम्र में पायलट ट्रेनिंग कोर्स के लिए चुने गए थे। यही नहीं, अर्जन सिंह ने आजादी के दिन यानी 15 अगस्त 1947 को वायु सेना के 100 से भी अधिक विमानों के लाल किले के ऊपर से फ्लाई-पास्ट का भी नेतृत्व किया था। पाकिस्तान

के खिलाफ जंग में उनकी भूमिका के बाद वायु सेना प्रमुख के रैंक को बढ़ाकर पहली बार एयर चीफ मार्शल किया गया।

उन्हें नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया था।

- ►1938 में सिर्फ 19 साल की उम्र में भारतीय वायु सेना में भर्ती हुए
- ►23 दिसम्बर 1939 को पायलट अधिकारी के रूप में रॉयल एयर फोर्स में कमीशन
- ►09 मई 1941 को उड़ान अधिकारी
- ►15 मई 1942 को उड़ान लैफ्टिनैंट
- ►1944 में स्कवाड्रन लीडर
- ►1947 में अंबाला में विंग कमांडर बने
- ►02 जनवरी 1955 को पश्चिमी वायु कमान (दिल्ली) के एयर कमांडर बने
- ►19 दिसम्बर 1959 को एयर वाइस मार्शल का पद मिला
- ►1961 में हवाई मुख्यालय के प्रभारी
- ►1963 में भारतीय वायुसेना के वाइस-चीफ बने
- ►26 जनवरी 1966 में एयर चीफ मार्शल के रूप में प्रोन्नत व एयर स्टाफ रैंक के प्रमुख
- ►15 जुलाई 1969 में वायु सेना से रिटायर हुए
- ►26 जनवरी 2002 को वायु सेना में मार्शल पद से सम्मानित

आजादी के दिन सौ से भी अधिक विमानों का किया था नेतृत्व

कुछ लोग हमेशा शीर्ष पर होते हैं और उनमें एक चीज कॉमन होती है - जुनून और प्रतिबद्धता। वायुसेना के मार्शल अर्जन सिंह भी ऐसे ही व्यक्तित्व के धनी थे। अर्जन सिंह वायुसेना के एक मात्र ऐसे आफिसर रहे, जिन्हें फील्ड मार्शल के बराबर फाइव स्टार रैंक दी गई। भारतीय सेना में अब तक सिर्फ 3 लोगों को फाइव स्टार रैंक मिली और अर्जन सिंह उनमें से एक थे।

पाक राजनीति में किस्मत आजमा रहे आतंकी!

आतंकियों की मदद करने पर पाकिस्तान का चेहरा फिर बेनकाब हुआ है। दरअसल पाकिस्तानी सेना आतंकी समूह से संबंधित पार्टियों को देश की राजनीति में बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की सीट पर आज हो रहे उप चुनाव में आतंकी समर्थित पार्टी का उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है, जिसे एक पूर्व सैन्य अधिकारी ने सेना का प्लान बताया है। सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल अमजाद का कहना है कि सईद की इस्लामिक चैरिटी का राजनीति में आना पाकिस्तानी सेना की उस नीति का हिस्सा है, जिसे खुद नवाज शरीफ ने पिछले साल नामंजूर किया था। इस उप चुनाव में 2008 मुंबई धमाकों के आरोपी हाफिज सईद के संगठन द्वारा बनाई गई पार्टी मिल्ली मुस्लिम लीग का पसंदीदा उम्मीदवार याकूब शेख भी अपनी किस्मत आजमा रहा है। बता दें कि सईद की धार्मिक चैरिटी ने मिल्ली मुस्लिम लीग पार्टी का निर्माण शरीफ के बर्खास्त होने के दो हफ्ते बाद ही कर दिया था। हालांकि पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने कहा था कि मिल्ली मुस्लिम के कानूनी रूप से पंजीकृत न होने के कारण इस उपचुनाव में नहीं उतर सकती। जिसके बाद याकूब निर्दलीय ही चुनाव मैदान में उतर रहे हैं, हालांकि उन्हें पार्टी से समर्थन हासिल है।

स्वच्छता अभियान के लिए फंड की किल्लत, सरकार ने कॉरपोरेट से मांगा उरफ का 7% पैसा

कारपोरेट मामलों के राज्यमंत्री पी।पी। चौधरी ने शनिवार को 11 लाख से अधिक कंपनियों से कहा कि वे अपने कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कोष का 7% स्वच्छ भारत मिशन के लिए खर्च करें और अपने कर्मचारियों को सफाई अभियान चलाने का निर्देश दें।

इसके अलावा मंत्री ने कंपनियों से ग्राम पंचायतों में स्वच्छता संदेश लिखे हुए होर्डिंग लगाने के लिए भी कहा है। चौधरी का यह प्रस्ताव

सरकार के दो अक्तूबर तक चलाए जाने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान के दौरान आया है। चौधरी ने कंपनियों के प्रमुखों को इस संबंध में पत्र लिखा है। इसकी जानकारी उन्होंने ट्विटर पर दी

बिग बॉस के प्रतियोगिता मन्नु पंजाबी, माहिरा शर्मा, अदिल ने साथ में बढ़िया शाम बिताया

2018 में बढ़ जाएगी केंद्रीय कर्मचारियों की बेसिक सैलरी

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। वित्त मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, जनवरी 2018 में कर्मचारियों की न्यूनतम सैलरी बढ़ाकर 21 हजार रुपये की जा सकती है। वर्तमान में केंद्रीय कर्मियों की न्यूनतम तनख्वाह 18 हजार रुपये प्रतिमाह है। गौरतलब है कि कर्मचारी संगठनों की मांग थी कि सरकार उनकी बेसिक सैलरी 26 हजार रुपये करे, हालांकि बाद में वित्त मंत्रालय की एनोमली कमेटी एवं कर्मचारी संगठनों के बीच न्यूनतम वेतन को 21 हजार रुपये किए जाने पर सहमति बन गई। कर्मचारी संगठनों की 26 हजार रुपये न्यूनतम सैलरी की मांग को सरकार ने यह कह कर खारिज कर दिया था कि यह वेतन संशोधन के फामूर्ला के अनुसार, 3।68 गुणा हो जाएगा, जिसे लागू करना संभव नहीं है। वहीं संगठन की दलील थी कि 18 हजार रुपये बेसिक सैलरी पर्याप्त नहीं है। उनका कहना था कि इतना वेतन होने पर वो ज्यादा सैलरी वाली नौकरी ढूंढने की कोशिश करेंगे जो उनके काम को भी प्रभावित करेगा। बाद में बातचीत के जरिए न्यूनतम वेतन 21 हजार रुपये करने पर संगठन ने रजामंदी दे दी।इससे पहले सातवें वेतन आयोग की सिफारिश पर केंद्रीय कर्मियों का न्यूनतम वेतन सात हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये एवं अधिकतम वेतन 80 हजार रुपये से बढ़ा कर 2।25 लाख रुपये किया गया था। यह न्यूनतम सैलरी फिटमैंट फैक्टर के आधार पर लागू की गई थी। जो समान रूप से सभी वर्ग के केंद्रीय कर्मचारियों के लिए 2।57 गुणा है, लेकिन अब निचले स्तर के कर्मियों की सैलरी 21 हजार रुपये हो जाने पर यह 3।0 गुणा हो जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मोदी ने किया 65000 करोड़ की लागत से बने सरदार सरोवर डैम का इनॉगरेशन

केवडिया (गुजरात)। नरेंद्र मोदी पिछली बार की तरह रविवार को अपना 67वीं बर्थडे गुजरात में ही मनाया। इस दौरान पीएम ने 138.68 मीटर ऊंचे सरदार सरोवर डैम का इनॉगरेशन किया। इसके पहले मोदी ने डैम पर ही मां नर्मदा की पूजा-अर्चना की। प्रोग्राम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सीएम विजय रूपाणी, डिप्टी सीएम नितिन पटेल और पूर्व सीएम आनंदी बेन पटेल भी मौजूद रहे। डैम को बनाने में 65 हजार करोड़ लागत आई और 56 साल में काम पूरा हो पाया। मोदी डभोई-वडोदरा में रैली भी करेंगे। 3 दिन में मोदी का ये दूसरा गुजरात दौरा है। इससे पहले जापान के पीएम शिंजो आबे की विजिट के चलते वे 13-14 सितंबर को अहमदाबाद में थे। 56 साल के लंबे इंतजार के बाद सरदार सरोवर नर्मदा डैम प्रोजेक्ट पूरा हो गया है। इनॉगरेशन के दौरान डैम के गेट 10-15 मिनट के लिए खोले जा सकते हैं। ऐसा होने पर इससे 30 हजार क्यूसेक पानी बह जाएगा। यह डैम नर्मदा पर बनने वाले 30 बांधों में से एक है। डैम पूरा भर जाने पर गुजरात की पीने के पानी और सिंचाई की जरूरतें 6 साल तक पूरी हो सकेंगी। नर्मदा पर यह डैम बनाने की पहल 1945 में सरदार पटेल ने की थी। मुंबई के इंजीनियर जमदेशजी एम वाच्छा ने सरदार सरोवर डैम का प्लान बनाया, लेकिन इसकी शुरूआत में ही 15 साल लग गए।

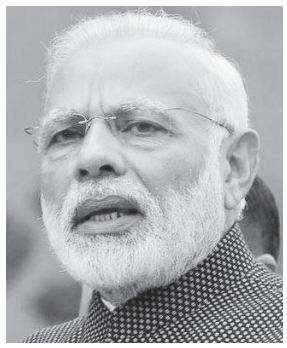

मध्य प्रदेश को मिलेगी 57% बिजली, राजस्थान को सिर्फ पानी

डैम का सबसे ज्यादा फायदा गुजरात को मिलेगा। इससे यहां के 15 जिलों के 3137 गांव की 18.45 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई की जा सकेगी। बिजली का सबसे अधिक 57% हिस्सा मध्य प्रदेश को मिलेगा। महाराष्ट्र को 27% और गुजरात को 16% बिजली मिलेगी। राजस्थान को सिर्फ पानी मिलेगा। बांध बनाने में 86.20 लाख क्यूबिक मीटर कंक्रीट लगा है। इससे पृथ्वी से चंद्रमा तक सड़क बनाई जा सकती थी।

कटिहार स्टेशन पर लगी भीषण आग

जिंदा जला ड्राइवर

कटिहार। बिहार के कटिहार स्टेशन पर रविवार को अचानक आग गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, कटिहार स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर 4 के उत्तरी छोड़ पर खड़ी जेसीबी मशीन की सफाई के दौरान विद्युतीकरण तार के सम्पर्क में आने से आग लग गयी। हादसे में जेसीबी चालक विनोद कुमार की मौके पर मौत हो गयी। ऑपरेटर सुनील गम्भीर रूप से जख्मी हो गया। घटना की जानकारी होते ही वरीय रेल अधिकारी मौके पर पहुंचे। जेसीबी में लगे इंजन और दूसरे ट्रैक पर खड़ी डीजल वैगन को तुरंत हटाया गया। विद्युत टार टूट कर विरने के कारण कटिहार बरौनी और कटिहार एनजेपी रेल खण्ड पर ट्रेन परिचालन रोक दिया गया है। रेलवे द्वरा परिचालन शुरू करने को लेकर काम मिया जा रहा है।

डीआरएम सीपी गुप्ता ने घटना में एक कि मौत और एक के जख्मी होने की पुष्टि की है। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। आग लगने के कारण 2 घण्टे तक स्टेशन परिसर में अफरा तफरी का माहौल रहा। डीजल वैगन में आग की लपट पकड़ने से बड़ा हादसा हो सकता था।

सीएम योगी आदित्यनाथ का दावा

अब गोली का जवाब गोली से दे रही यूपी पुलिस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की खराब कानून-व्यवस्था विरासत में मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी कड़ा संघर्ष करना पड़ा। प्रदेश के मुखिया का पद संभालने के करीब छह महीने बाद उनकी पुलिस ने गोली का जवाब गोली से देना शुरू किया। अब प्रदेश में रोज एनकाउंटर में या तो बदमाश मारे जा रहे हैं या तो गिरफ्तार हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार में अपराध को रोकने के लिए पुलिस को खुली छूट दी गई है। यही वजह है कि अब इसका असर दिखने लगा है और अपराधियों में दहशत का माहौल है। हाल ही के दिनों में हुए ताबड़तोड़ एनकाउंटर के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में पुलिस का मनोबल गिरा हुआ था। अपराधी बेलगाम हो गए थे, लेकिन मेरी सरकार में पुलिस का मनोबल ऊंचा किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में पुलिस वाले मारे जा रहे थे, लेकिन आज पुलिस गोली का जवाब गोली से दे रही है। इससे अब अपराधियों में दहशत का माहौल है। सहारनपुर दंगों पर मुख्यमंत्री ने कहा, कि हमारी सरकार के 6 महीने के कार्यकाल के दौरान एक भी दंगा नहीं हुआ। सहारनपुर में जो कुछ हुआ वह दो जातियों के बीच संघर्ष था। जिसे प्रशासन ने नियंत्रित कर लिया है। प्रदेश में पिछले छह महीने में पुलिस ने मुठभेड़ में 15 इनामी अपराधियों को मार गिराया। 84 अपराधी गोली लगने से घायल हुए. यह पुलिस को खुली छूट का ही नतीजा है कि अब तक 868 कुख्यात अपराधी सलाखों के पीछे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ कहा है कि निदोर्षों को छेड़ेंगे नहीं और दोषियों को छोड़ेंगे नहीं। मुख्यमंत्री के इसी निर्देश पर कार्रवाई करते हुए यूपी पुलिस अपराधियों पर कहर बनकर टूटी है। दरअसल मुख्यमंत्री ने डीजीपी को साफ निर्देश दिया था कि अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जाए. इसी निर्देश के बाद पुलिस हरकत में आई और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई। लगातार हो रहे मुठभेड़ और धड़पकड़ की कार्रवाई से अपराधियों के हौसले पस्त हो गए हैं।

लखनऊ में महर्षि विद्या मंदिर में 11वीं के छात्र की संदिग्ध मौत

लखनऊ। हरियाणा के गुरुग्राम के बाद अब लखनऊ में स्कूल में छात्र का मौत का मामला सामने आया है। लखनऊ के मडियांव थाना क्षेत्र में महर्षि विद्या मंदिर में पढने वाले 11वीं के छात्र आदित्य सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में हॉस्टल में मौत हो गई। हॉस्टल के वार्डेन ने छात्र को बेहोश देख स्कूल प्रशासन को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर स्कूल प्रशासन पहुंचा। आनन-फानन में छात्र को बेहोशी हालत में निकट के सेवा अस्पताल में भर्ती कराया गया। छात्र की हालत को गंभीर देखते हुए यहां से डॉक्टरों ने उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। स्कूल के लोगों ने इसकी सूचना छात्र के परिजनों और पुलिस को सूचना दी।

सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और परिवार के लोगों के साथ छात्र को ट्रॉमा सेंटर लेकर गए। यहां डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। इस मामले में छात्र के परिवार के लोगों ने कोई आरोप नहीं लगाया है और वह बिना पोस्टमॉर्टम कराये उसे घर लेकर चले गए। थाना प्रभारी मडियांव राघवन कुमार सिंह ने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि छात्र को बीमारी थी। इसके चलते वह गिरकर बेहोश हो गया। पुलिस ने छात्र के शव को कागजी कार्रवाई कर परिवार के लोगों को सौंप दिया है।

आतंकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए आइबी का नया ठिकाना

भागलपुर। बांग्लादेश व नेपाल की सीमा से नजदीक आतंकी व नक्सली गतिविधियों की वजह से अति महत्वपूर्ण तथा राजनीतिक, आर्थिक, भौगोलिक दृष्टिकोण से संवेदनशील भागलपुर में आइबी (इंटेलिजेंस ब्यूरो) अपना कार्यालय खोलेगा। आइबी मुख्यालय ने इस बाबत जिला प्रशासन को सूचित किया है। कार्यालय का प्रधान आइपीएस स्तर के अधिकारी होंगे। तथा यहां स्वीकृत बलों के हिसाब से आवास की भी व्यवस्था होगी। आइबी गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक खुफिया यूनिट है।

यह देश की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी है। इस एजेंसी का कार्यालय खोलने का ऑफर मिलना भागलपुर के लिए बड़ी उपलब्धि है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय (आइबी) के संयुक्त निदेशक महेश दीक्षित ने जमीन के लिए पत्र लिखा है। आइबी ने दोनों ही स्थिति में जमीन मांगी है। पड़ती जमीन मिलने की स्थिति में आइबी खुद उसका निर्माण करेगा। अगर निर्मित मकान है तो सरकार के मानक के अनुसार किराया दिया जाएगा। आइबी का यहां कई असिसटेंट सेंट्रल इंटेलिजेंस अफसर का पदस्थापन होगा। आइबी के अधिकारी खुफिया सूचना इकट्ठा करने के लिए यहां से आसपास के जिलों में निगरानी करेंगे। भागलपुर को केंद्र में रखकर बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, नेपाल तथा बंगलादेश क्षेत्र तक की मानीटरिंग की जाएगी। आइबी आम तौर राज्यों की राजधानी में अपना कार्यालय रखता है। यह पहली बार है कि वह राजधानी से हटकर प्रमंडलीय मुख्यालय में अपना कार्यालय खोलने का प्रस्ताव दिया है। आइबी के प्रस्ताव के बाद जिला प्रशासन ने सबौर, जगदीशपुर और नाथनगर के अंचल अधिकारियों को जमीन तलाशने को कहा है।

आइबी ने पुलिस पदाधिकारियों के कार्यालय के आसपास जमीन का विकल्प दिया है। अगर निर्मित जमीन मिलती है तो भी प्राथमिकता दी जाएगी। आइबी को सड़क कनेक्टीविटी चाहिए। सुरक्षा की दृष्टि से भी इस पर ध्यान रखने को कहा गया है। सीओ ने कहा कि जमीन की तलाश की जा रही है।

कार में शराब पीते पांच धराए

दरभंगा। लहेरियासराय थाने की पुलिस ने कार में शराब पीते पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि पुलिस को सूचना मिली की पंडासराय के पास कुछ लोग कार लगाकर शराब पी रहे है। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी की। लेकिन, पुलिस को देखते ही चालक ने कार लेकर फरार हो गया। हालांकि, पुलिस ने पीछा कर चट्टी चौक पास सभी को कार सहित दबोच लिया। इसमें कबिलपुर गांव निवासी सुधाकांत झा उर्फ श्रीराम, डरहार निवासी सुभाष चंद्र चौधरी उर्फ मोहन, गोच्चदपुर निवासी विक्रांत चौधरी, बेंता निवासी सुभम च्सह उर्फ राधे व खाजासराय निवासी चालक जयकांत कामत शामिल है। इन लोगों के पास जब्त की गई टाटा इंडिको कार बीआर01यू - 5066 से पुलिस ने शराब की बोतलें सहित कई सामान बरामद किया है।

दुनिया का सबसे मंहगा होटल, एक दिन का किराया सुनकर रह जाएंगे दंग

दुनिया में घूमने लायक कई खूबसूरत जगहें हैं। अक्सर लोग किसी हिल स्टेशन या दूसरे शहर जाकर होटल में रात गुजारते हैं। सारा दिन बाहर घूमने के बाद वे रात होटल में ही ठहरते हैं लेकिन भारत के जयपुर शहर में एक ऐसा होटल है जिसे दुनिया का सबसे खूबसूरत और मंहगा होटल माना जाता है। इस होटल का एक दिन का किराया ही इतना ज्यादा है कि यहां कोई साधारण व्यक्ति जाकर नहीं रह सकता है। मंहगे के साथ-साथ इस होटल के अंदर का नजारा भी बहुत आलीशान है। आइए जानिए इस होटल के बारे में कुछ दिलचस्प बातें

☞ जयपुर का रामबाग पैलेस देश का सबसे मंहगा होटल है। इस होटल की इमारत बहुत ही खूबसूरत है।

☞ जयपुर शहर में कई ऐतिहासिक किले हैं जिसे देखने के लिए विदेशों से भी लोग आते हैं। ऐसे में कई लोग इसी होटल में आकर रहते हैं।

☞ इस होटल में एक दिन रहने का किराया 10 लाख रूपए से भी ज्यादा है जिसे देना किसी साधारण व्यक्ति के बस की बात नहीं है।

☞ रामबाग होटल को दुनिया के टॉप 10 हैरीटेज होटलों में शामिल किया गया जिसमें यह 6वें नंबर पर रहा।

☞ इस होटल की जगह पर पहले स्कूल हुआ करता था लेकिन 1957 में इसे होटल के रूप में बदला गया।

☞ यहां एक बार जो रहने आता है उसका होटल से बाहर निकलने का मन ही नहीं करता।

☞ इस होटल में 78 आलीशान कमरे हैं जिसमें संगमरमर की खूबसूरत नक्काशी की गई है।

☞ इस होटल में शाही अंदाज में खाना सर्व किया जाता है और यहां रहने वाले भी खुद को राजा की तरह ही महसूस करते हैं।

बाप रे! यहां मर्द औरतों के पैरों को बना देते हैं ऐसा...

दुनिया में कई धर्म के लोग रहते हैं, जिनके रीति-रीवाज भी अलग-अलग होते है। कुछ जगहों में ऐसी अजीबोगरीब परंपराएं निभाई जाती है, जिनके बारे में सुनकर लोग अक्सर हैरत में पड़ जाते है। कोई सुंदर बीवी की चाहत में तो कोई अपनी सेक्स लाइफ को बेहतर बनाने के लिए अजीब परंपरा निभाते है। आज हम आपको जिस जगह की बात बताने जा रहे है, वहां मर्द सुंदर बीवी की चाह के लिए औरतों के पैरों से हैवानियत करते हैं। चीन, ताईवान और जापान जैसे देशो में सुंदरता के नाम पर महिलाओं के पैरों को कसकर क्रूरता से बांध दिया जाता है और कभी भी उनके पैरों के पंजे बढ़ने नहीं दिए जाते। इस परंपरा को लोटस फीट कहा जाता है। दरअसल, ऐसा इसलिए किया जाता है क्योंकि मर्दों का मानना है कि इससे पैर काफी खूबसूरत दिखते है। यह परंपरा वैसे काफी पुरानी है लेकिन आज भी चीन की कुछ जगहों पर महिलाओं के पैरों के साथ ऐसा करते है। महिलाओं के पैरों को छोटा बनाने के लिए उन्हें कस कर बांध दिया जाता है। उनके पैरों का विकास न हो इसलिए पैरों को कपड़े से बांध दिया जाता और उन्हें बिल्कुल छोटे-छोटे जूते पहनने की दिए जाते। वहां के लोगों का मानना है कि इससे लड़कियों की शादी अच्छे घरों में होती है। ऐसे पैरों वाली महिलाओं को खूबसूरत औरतों की गिनती में गिना जाता है।

ये है दुनिया के 5 सबसे अनोखे और लाजवाब शहर

दुनियाभर में बहुत से शहर और अपनी खासियत के लिए मशहूर है लेकिन आज हम आपको ऐसे खुबसूरत शहरों के बारे में बताने जा रहें है जो खुबसूरत होने के साथ-साथ बेहद अनोखे भी है। अपनी अद्भूत खासियत के लिए मशहूर इन शहरों में आप भी घूमने का भरपूर सजा ले सकते है। तो आइए जानते है इन अनोखे और खुबसूरत शहरों को बारे में।

1. अमेरिका, फ्लोरिडा

रिटायरमेंट के बाद आराम और सकून की जिंदगी जीने के लिए यह शहर एकदम बेस्ट है। यह शहर सिर्फ बूढ़े लोगों के रहने के लिए बनाया गया है। इस शहर में 19 साल से कम उम्र के व्यक्ति को रहने की अनुमति नहीं है।

2. ऑस्ट्रेलिया, कूबर पेडी

इस शहर में ज्यादातर घरों को पहाड़ो की खुदाई करके तो कुछ को घरती के नीचे बनी ओपल की खदानों में बनाया गया है। धरती के नीचे बने होने पर भी ये घर बहुत ही सुंदर दिखाई देते है। यहां के दुधिया पत्थरों से बने घरों को देखकर आप बी हैरान हो जाएंगे।

3. चीन

चीन के इस शहर में आपको सिर्प बो लोग ही देखने को मिलेगे। खुबसूरत संस्कृति से सजे इस गांव में आप

घूमने का भरपूर मजा ले सकते है। ये बोने लोग दिन में टूरिस्टों का मनोरंजन करते है और रात को अपने द्वारा बनाए गए बोर्डिंग हाउस चले जाते है। इनके अजीब घरों को देक कर आप भी हैरान हो जाएंगे।

4. जापान, म्याक जिमा

समुद्र के बीच में स्थित जापान के इस शहर में घूमने के लिए आपको मास्क पहन के जाना पड़ेगा। करीब ढाई हजार आबादी वाले इस शहर में कई बार ज्वालामुखी फूटने के कारण उसमें से जहरीली गैस अभी तक निकलती है। जिसके कारण लोगों को यहां पर मास्क पहन कर रहना पड़ता है।

5. भारत, ऑरोविले

तमिलनाडु और पॉन्डिचेरी में स्थित इस गांव में विदेशी भी काफी संख्या भी काफी संख्या में रहते है। इस शहर में कोई भी प्रॉपर्टी पर अपना मालिकाना हक नहीं रखता। इस शहर में हर तरह के जाति और धर्म के लोग रहते है। इस शहर के बीच में बने मंदिर को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यर्थ दौड़भाग होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। पुराना रोग उभर सकता है।

सिंह
व्ययवृद्धि होगी। तनाव व चिंता रहेंगे। जोखिम न उठाएं। विवाद से बचें। कानूनी अड़चन से बाधा संभव है।

धनु
वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। विवाद से बचें। थकान होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

वृष
मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। विवाद न करें। क्लेश होगा। दौड़धूप रहेगी। लाभार्जन होगा।

कन्या
यात्रा होगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों से दूर रहें।

मकर
घर-बाहर तनाव रह सकता है। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन
प्रतिष्ठित जनों से संपर्क बढ़ेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। सम्मान बना रहेगा। यात्रादि लाभदायक रहेंगे।

तुला
प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मेलजोल बढ़ेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्य में परिवर्तन संभव है। मान-सम्मान मिलेगा।

कुंभ
संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के स्रोत बढ़ेंगे। भवन संबंधी विवाद सुलझ सकते हैं।

कर्क
भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृश्चिक
धार्मिक यात्रा हो सकती है। बाहरी सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

मीन
रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

ऑफ सीजन में भी लें इन वाटरफॉल्स का भरपूर मजा

दुनिया के बहुत से वाटरफॉल्स अपनी खुबसूरती और अलग-अलग खासियत के लिए मशहूर है। ऑफ सीजन घूमने के लिए लोग ऐसी ही जगहों की तलाश में रहते है, जहां वो अपने वीकेंड में पूरी इंजॉय कर सके। ऑफ सीजन कुदरती नजारों का मजा लेने के लिए आज हम आपको ऐसे ही कुछ वाटरफॉल्स के बारे में बताने जा रहें। आइए जानते है इन खुबसूरत झरनों के बारे में, जो दुनियाभर में मशहूर है।

1. आइसलैंड, स्कॉगाफॉस

इस झरने में खड़े होकर आपको इंद्रधनुष के बीच खड़े होने का अहसास होता है। वाटरफॉल के आस-पास का इलाका ऊंचे पहाड़ और हरे-भरे जंगल से घिरा है।

2. लैंगफॉस फॉल

पहाड़ी से नदी के बीच में मिलती हुआ यह झरना बहुत खुबसूरत लगता है। इसके किनारे बनी सड़क में खड़े होकर आप झरने के गिरते पानी की आवाज को सुन सकते है।

3. गुऑफॉस वाटरफॉल

12 मीटर की ऊंचाई से गिरते नीले-हरे इस झरने को 'वाटर फॉल ऑफ गॉड' भी कहा जाता है। यहां की खुबसूरती देख कर आप हैरान हो जाएंगे।

4. न्यूयॉर्क, टघुन्नॉक फॉल्स

खूबसूरती की एक अनोखी मिसाल यह झरना रंग-बिरंगे

फूलों से से घिरा हुआ है। इसकी खुबसूरती देखने के लिए आपको 3-4 मील पैदल चलना पड़ेगा।

5. अफ्रीका, विक्टोरिया फॉल

साउथ अफ्रीका की जांबेजी रिवर पर स्थित इस झरने में आप बॉथिंग का मजा ले सकते है। इस झरने का पानी इतनी तेजी से गिरता है कि आप दूर खड़े होकर भी बारिश का एहसास कर सकते है।

6. अरिजोना ग्रैंड कैन्यॉन, द हवासु फॉल्स

अमेरिका के खूबसूरत वाटरफॉल्स की लिस्ट में शामिल यह झरना रेड चट्टाने और हरियाली के बीच से गिरता हुआ बहुत ही सुंदर लगता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रोजाना खाएं सिर्फ एक मुरब्बा और फिर देखें कमाल

इस माडर्न लाइफस्टाइल में लोगों को कई तरह की छोटी-मोटी बीमारियां लगी रहती हैं। गलत खान-पान की वजह से उनके शरीर को सही पोषण नहीं मिल पाता। ऐसे में रोजाना सिर्फ एक मुरब्बा खाने से काफी फायदा मिलेगा। ज्यादातर लोगों ने सिर्फ आंवले के मुरब्बे के फायदे ही सुने होंगे लेकिन और भी कई फल सब्जियां के मुरब्बे हैं जिनमें काफी मात्रा में विटामिन, आयरन, कैल्शियन, फाइबर और मिनरल्स होते हैं। रोजाना किसी एक मुरब्बे का सेवन करने से शरीर कई तरह की बीमारियों से दूर रहता है। आइए जानिए कौन-से मुरब्बे हमारी सेहत को कैसे फायदे पहुंचाते हैं।

1. आंवले का मुरब्बा
आंवले के मुरब्बे में काफी मात्रा में विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम और फाइबर तत्व पाए जाते हैं जो शरीर के लिए बहुत जरूरी होते हैं। रोजाना सुबह एक आंवले का मुरब्बा खाने से ब्लड प्रैशर कंट्रोल में रहता है। इसके अलावा आंवले के मुरब्बे के नियमित सेवन से शरीर में कून की कमी पूरी होती है और पेट की कई समस्याएं दूर होती हैं।

2. सेब का मुरब्बा
इसमें काफी मात्रा में फॉस्फोरस, आयरन, प्रोटीन, कैल्शियम और काबोर्हाइड्रेट पाए जाते हैं जो शरीर को एनर्जी देते हैं। सेब के मुरब्बे का रोजाना सेवन करने से याददाश्त तेज होती है और सिरदर्द में भी आराम मिलता है। इसेक अलावा सेब के मुरब्बे से मोटापा कंट्रोल में रहता है और अनिद्रा की समस्या भी दूर होती है।

3. गाजर का मुरब्बा
गाजर का मुरब्बा भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें काफी मात्रा में आयरन होता है जो शरीर में खून की कमी को दूर करता है। रोजाना गाजर के मुरब्बे का सेवन करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है और पेट की जलन भी शांत होती है। इसके अलावा जिन लोगों को कफ की समस्या हो उनके लिए भी गाजर का मुरब्बा काफी फायदेमंद रहता है।

4. बेल का मुरब्बा
बेल के मुरब्बे में मौजूद प्रोटीन, फॉस्फोरस, काबोर्हाइड्रेट, आयरन, कैल्शियम और फाइबर दिल को स्वस्थ रखता है। रोजाना बेल के मुरब्बे का सेवन करने से पेट की कई समस्याएं दूर होती हैं। इसके अलावा इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है और कब्ज की समस्या भी दूर होती है।

फ्लू शॉट के इस्तेमाल से पहले जान ले इसके साइड इफेक्ट

अक्सर लोग मामूली से फ्लू या किसी भी छोटी सी प्रॉब्लम से बचने के लिए भी फ्लू शॉट का सहारा लेते है। फ्लू से बचने के लिए वैक्सीन के इस्तेमाल से आपके शरीर को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। एलर्जी से ग्रस्त लोगों के लिए तो यह ओर भी हानिकारक होती है। हालांकि इसके साइड इफ्केट ज्यादा सीरियस नहीं होते है लेकिन फिर इसका इस्तेमाल करने से पहले आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में पता होना चाहिए है।

1. इंजेक्शन की जगह पर दर्द
वैक्सीन लगने के बाद उस जगह का लाल होना, सूजना और दर्द होने जैसे सामान्य लक्षण दिखाई देने लगते है। हालांकि ये

2. मांसपेशियों मे दर्द
सख्त हाथों में वैक्सीन लगाने से की मांसपेशियों में दर्द होने लगता है। कई बार तो इसके इस्तेमाल से पूरे शरीर में दर्द शुरू हो जाता है। वैसे आप इस दर्द में पेनकिलर ले सकते है।

3. सिरदर्द और बुखार
वैक्सीन के इस्तेमाल से कई बार बुखार, बेहोशी और चक्कर आने जैसी समस्याएं हो जाती है। इसके लिए आप एंटीबायोटिक दवाई ले सकते है लेकिन परेशानी बढ़ जाने पर डॉक्टर से सलाह लें।

4. एलर्जी
अगर आपको पहले से ही एलर्जी की समस्या है तो इससे आपको शरीर मे सूजन, सांस लेने मे दिक्कत, हार्टबीट का बढ़ना, कमजोरी आदि जैसी समस्याएं हो सकती है। वैक्सीन लगाने के कुछ घंटे बाद ही आपको ये लक्षण नजर आने लगेंगे। ऐसे में आपको तुरंत डॉक्टर से चैकअप करवाना चाहिए।

5. गिलेन बेर सिंड्रोम
अक्सर लोगों को वैक्सीन लगवाने के बाद गिलेन बेर सिंड्रोम की हो जाती है। इस न्यूरोलॉजिक स्थिति में शरीर को कमजोरी या लकवा मार जाता है। ऐसे में मरीज को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए।

आपके पुराने से पुराने दर्द को गायब कर देगी ये एक चीज!

आजकल की भागदौड़ भरी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं, जिन्हें शरीर के किसी न किसी हिस्से में दर्द की शिकायत रहती है। कभी-कभी तो यह दर्द असहनीय हो जाता है, लेकिन कई डॉक्टरों को दिखाने के बाद भी ठीक होने का नाम नहीं लेता। अगर आप भी ऐसे ही किसी दर्द से लंबे समय से परेशान हैं, तो आज हम आपको इस दर्द से छुटकारा पाने का तरीका बताने जा रहे हैं।

हरी मिर्च भले ही खाने में तीखी होती है लेकिन इसमें मौजूद विटामिन शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह न केवल पुराने दर्द से बल्कि मांसपेशियों में होने वाली पीड़ा से भी छुटकारा दिलाता है। इतना ही नहीं यह दर्द के अलावा भी कई शारीरिक समस्याओं से हमें निजात दिला सकती हैं।

जानिए कितनी फायदेमंद है हरी मिर्च:-

- डाइजेशन सिस्टम
हरी मिर्च में फाइबर की मात्रा होने की वजह से डाइजेशन सिस्टम ठीक तरह से काम करता है।
- आंखों के लिए
हरी मिर्च में मौजूद विटामिन ए आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता
यह एंटी बैक्टीरियल के तौर पर काम करती है,

किडनी और हड्डियों को खराब कर देती हैं ये पेनकिलर दवाएं

बदलते लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कई तरह की छोटी-मोटी बीमारियां लगी रहती हैं। सिरदर्द, जोड़ों में दर्द और पेट दर्द आदि आम समस्याएं है जो ज्यादातर लोगों में देखी जाती है। ऐसे में लोग दर्द से छुटकारा पाने के लिए बिना सोचे समझे पेनकिलर दवाओं का सेवन कर लेते हैं जिससे उस समय के लिए तो दर्द दूर हो जाता है लेकिन इन पेनकिलर दवाओं से शरीर को बहुत नुकसान पहुंचता है। ऐसे में पेनकिलर दवाएं खाने से पहले इनसे होने वाले नुकसान के बारे में भी जरूर जान लें।

पेट सबंधित समस्याएं
अलग-अलग कंपनी की पेनकिलर खाने से एसिडिटी, उल्टी, डायरिया और पेट दर्द जैसी कई समस्याएं हो जाती हैं।

किडनी खराब
कुछ लोग छोटी-सी प्रॉब्लम पर ही दर्दनाशक दवाओं का सेवन कर लेते हैं। ऐसे में वे इन दावईयों के आदि हो जाते हैं। अधिक मात्रा में पेनकिलर दवाईयां खाने से किडनी पर बहुत बुरा असर पड़ता है और इससे किडनी फेल भी हो सकती है।

ब्लड प्रैशर
ये पेनकिलर दवाएं कुछ देर के लिए तो दर्द से राहत दिला देती हैं लेकिन इससे हाई ब्लड प्रैशर जैसी समस्या हो जाती है।

हड्डियों पर बुरा प्रभाव
अक्सर जोड़ों में दर्द होने की वजह से लोग पेनकिलर दवाएं खाते हैं लेकिन लंबे समय तक इनका इस्तेमाल करने से हड्डियों पर बुरा साइड इफैक्ट पड़ता है और हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। इसके अलावा पेनकिलर दवाएं रीढ़ की हड्डी पर भी बुरा असर डालती हैं।

दिमाग पर असर
पेनकिलर दवाईयों का सबसे ज्यादा असर दिमाग पर पड़ता है। इनमें एक तरह का नशीला पदार्थ पाया जाता है जो दिमाग पर बुरा असर डालता है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

झूलन ने की कोहली की तारीफ

बताया दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

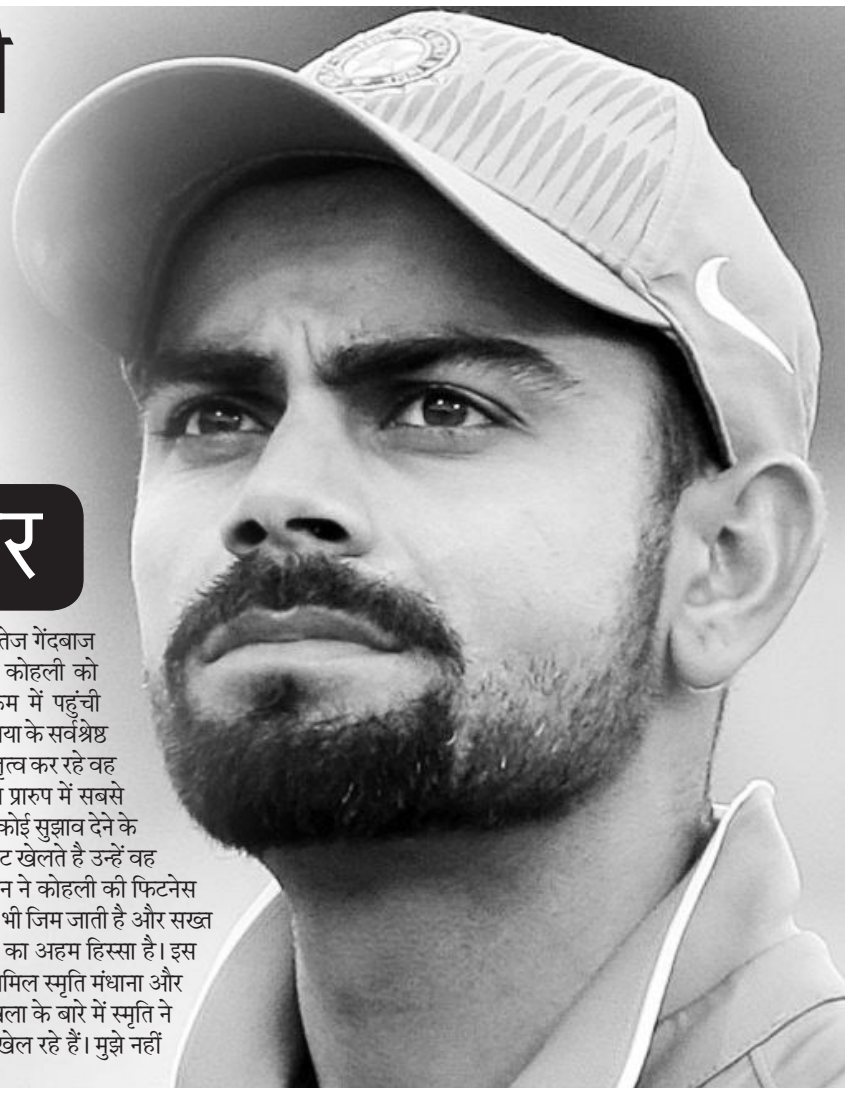

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर बताया। एक कार्यक्रम में पहुंची गोस्वामी ने कहा, वह कमाल के क्रिकेटर है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर है। जिस तरह वह खेल रहे और टीम का नेतृत्व कर रहे वह कमाल की बात है। महिला क्रिकेट के एकदिवसीय प्रारुप में सबसे ज्यादा 195 लेने वाली इस गेदबाज से जब कोहली कोई सुझाव देने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा, कोहली जैसा क्रिकेट खेलते है उन्हें वह जारी रखाना चाहिये। महिला क्रिकेट की पूर्व कप्तान ने कोहली की फिटनेस की तारीफ करते हुए कहा कि अब महिला क्रिकेटर भी जिम जाती है और सख्त डाइट का का पालन करती है क्योंकि अब ये खेल का अहम हिस्सा है। इस मौके पर गोस्वामी के साथ विश्व कप की टीम में शामिल स्मृति मंधाना और वेदा कृष्णमूत भी मौजूद थी। भारत ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के बारे में स्मृति ने कहा, वे पिछले 4-6 महीने से कमाल का क्रिकेट खेल रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें हमारी सलाह कि जरुरत है।

सहवाग के 'सेटिंग' वाले बयान पर पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंदर सहवाग के सेटिंग वाले बयान पर पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वो सहवाग से मिलकर इस बारे में बात करेंगे। सौरव गांगुली ने कहा कि उन्हे नहीं पता कि सहवाग ने ऐसा क्यों कहा। लेकिन जब वो सहवाग से मिलेंगे तो इस बारे में बात करेंगे। गांगुली ने सहवाग को अपना अच्छा दोस्त बताया। आपको बता दें वीरेंदर सहवाग ने बयान दिया था कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड में शीर्ष पर बैठे लोगों से सेटिंग नहीं होने की वजह से वो भारतीय टीम के कोच नहीं बन सके। कोच का चयन करने वाली 3

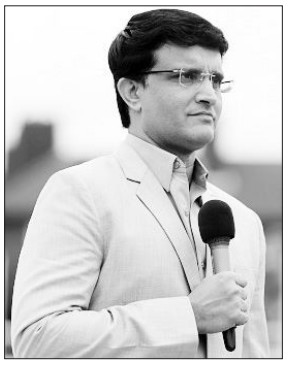

सदस्यीय समिति का पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली भी हिस्सा थे। इसी समिति को कोच चुनना था। कोच पद से अनिल कुंबले के इस्तीफा देने के बाद वीरेंदर सहवाग ने भारतीय टीम के कोच पद के लिए अप्लाई किया था। लेकिन उनको पछाड़कर रवि शास्त्री टीम का कोच बने। सहवाग ने एक चैनल से बातचीत में आरोप लगाया था कि उनकी बोर्ड में बैठे लोगों से सेटिंग नहीं थी। इसलिए वो भारतीय टीम का कोच नहीं बन पाए। सहवाग ने कहा था कि अब वो दोबारा भारतीय क्रिकेट टीम के कोच पद के लिए अप्लाई नहीं करेंगे। वीरेंद्र सहवाग ने इस मामले पर भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली और टीम के कोच रवि शास्त्री पर भी बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने दोनों ही दिग्गजों पर उनको गुमराह करने का आरोप लगाया था।

बोपन्ना-राजा हारे, कनाडा को 2-1 की बढ़त

एडमंटन। रोहन बोपन्ना और पूरव राजा को महत्वपूर्ण युगल मैच में डेनियल नेस्टर और वासेक पोसपिसिल से हार का सामना करना पड़ा जिससे भारत डेविस कप विश्व ग्रुप प्ले ऑफ मुकाबले में मेजबान कनाडा से 1-2 से पिछड़ गया। पहले दिन स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद उम्मीद थी कि बोपन्ना और राजा भारत को युगल मैच में बढ़त दिलाएंगे लेकिन भारतीय जोड़ी को शनिवार को दो घंटे 52 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मैच में हार का सामना करना पड़ा। नेस्टर और पोसपिसिल ने यह मैच 7-5 , 7-5, 5-7, 6-3 से जीत कर कनाडा को मुकाबले में बढ़त दिला दी।

पहले दिन रामकुमार रामनाथन ने पहला सिंगल जीता था जबकि यूकी भांबरी दूसरे सिंगल में हार गए थे। युगल हारने के बाद अब सारा दारोमदार रामकुमार और यूकी पर आ गया है कि वे उलट एकल मैचों में जीत हासिल करें और भारत को विश्व ग्रुप में ले जाएं। इस मुकाबले के विजेता को 2018 के विश्व ग्रुप में प्रवेश मिलना है। उलट एकल मैचों में रामकुमार का मुकाबला डेनिस शापोवालोव से और यूकी का मुकाबला ब्रेडन शनर से होगा। भारत पिछले 3 वर्षों में लगातार विश्व ग्रुप प्ले ऑफ मैचों में हारा है।

सिंधू ने ओकुहारा को हराकर विश्व चैंपियनशिप की हार का बदला लिया

सोल। ओलंपिक रजत पदक विजेता भारतीय शटलर पी वी सिंधू ने रविवार को विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा को रोमांचक फाइनल मुकाबले में हराकर कोरिया ओपन सुपर सीरीज बैडमिंटन टूनार्मेंट का महिला एकल का खिताब जीतने के साथ ही विश्व चैंपियनशिप की हार का बदला भी चुकता किया। बाईस वर्षीय सिंधू ने इस 600,000 डालर इनामी टूनार्मेंट के फाइनल में आठवीं वरीय जापानी खिलाड़ी ओकुहारा को एक घंटे 23 मिनट तक चले रोमांचक मैच में 22-20, 11-21, 20-18 से शिकस्त दी। सिंधू पिछले महीने ग्लास्गो में विश्व चैंपियनशिप के बेहद रोमांचक फाइनल मुकाबले में ओकुहारा से हार गयी थी। इस मैच को विशेषज्ञों ने सर्वश्रेष्ठ मैच में से एक करार दिया था। रविवार को उन्होंने जापानी खिलाड़ी से बदला चुकता किया और कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय खिलाडी बनी। एक महीने के अंदर दूसरी बार फाइनल में आमने सामने होने के कारण फिर से रोमांचक मैच की उम्मीद की जा रही थी और आज के फाइनल में भी विश्व चैंपियनशिप की तरह कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बीफ के कारण ट्रोल हुई काजोल ने सोशल मीडिया को बोला सिरदर्द

बॉलीवुड एक्ट्रैस काजोल कुछ दिनों पहले बीफ को लेकर सोशल साइट पर जमकर ट्रोल हुई। हाल ही में इस मामले को लेकर उन्होंने इंटरव्यू में बताया कि सोशल मीडिया सिरदर्द है। काजोल का कहना है कि आजकल सभी सेलिब्रिटी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। अपनी प्रोफैशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ तक की बातें फैंस के साथ शेयर करने का ये मोड सैलिब्रिटीज को पसंद भी आ रहा है लेकिन काजोल ने सोशल मीडिया को बर्डन बताया है। काजोल ने कहा कि उन्हें रोजाना अपने फैंस से बात करना या सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना पसंद नहीं है। काजोल ने कहा, 'मुझे सोशल मीडिया का कुछ पार्ट पसंद है लेकिन वहां पर मौजूद सब कुछ नहीं। उन्होंने आगे बताया कि, 'मुझे कई बार ये बहुत जिम्मेदारी और सिरदर्दी वाला काम लगता है। मुझे पता है कई लोगों को सोशल मीडिया पर रहना बहुत अच्छा लगता है और दूसरे के साथ सोशल मीडिया पर इंगैज रहना भी, लेकिन मैं उनमें से एक नहीं हूं।बता दें कि सोशल मीडिया में कुछ दिन पहले उनपर बीफ खाने का आरोप लगा था। एक वीडियो के आधार पर आरोप लगे थे। बाद में लोगों के ट्रोल करने पर उन्होंने सफाई दी थी।

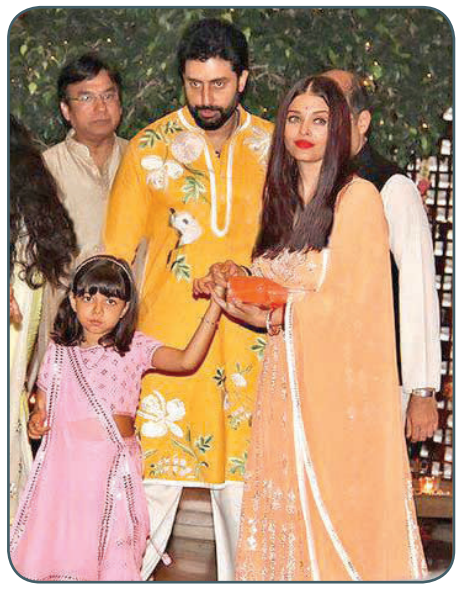

अभिषेक ने फैमिली के साथ शेयर की क्यूट तस्वीर

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन ने एक तस्वीर शेयर की है जिसमें उनके साथ उनकी पत्नी ऐश और बेटी आराध्या है। हाल ही में ये तीनों कब्बडी गेम में अपनी टीम ' द्रल्लह्य ढंल्लउँ१२' को प्रमोट करने के लिए मौजूद थे। बता दें कि कुछ समय पहले ही अभिषेक अपने डैड अमिताभ बच्चन के शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में भी आए थे और इन्होंने हॉट सीट पर बैठे बिग बी से सवाल–जवाब किए थे। इस दौरान इनकी टीम पिंक पैंथर भी सेट पर मौजूद थी।

मलाइका अरोड़ा का ग्लैमरस लुक

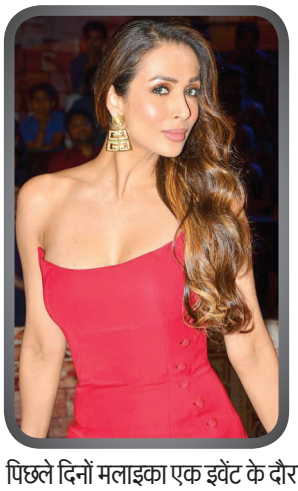

बॉलीवुड एक्ट्रैस मलाइका अरोड़ा अपनी लुक को लेकर काफी चर्चा में रहती है और वह अक्सर अपनी फोटोज सोशल साइट पर शेयर करती रहती है। हाल ही में मलाइका की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों से उनकी उम्र का अंदाजा लगाना काफी मुश्किल है। दरअसल, मलाइका ने एक ज्वैलरी ब्रैंड के लिए एक फोटोशूट कराया है। इस फोटोशूट की तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टा पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों को देखकर आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते है कि ये अभिनेत्री 43 साल की हो चुकी हैं। कुछ दिनों बाद ही 23 अक्टूबर को ये अभिनेत्री अपना बर्थडे सेलिब्रेट करने वाली हैं। पिछले दिनों मलाइका एक इवेंट के दौरान इस अंदाज में नजर आईं। मलाइका बॉलीवुड की हॉट अभिनेत्रियों में शुमार की जाती हैं। मलाइका अक्सर ही ऐसी तस्वीरें अपने इंस्टा पर शेयर करती रहती हैं। आगे मलाइका अरोड़ा की कुछ तस्वीरें जिन्हें देखकर आप भी कह उठेंगे कि इस अभिनेत्री के लिए Age तो सिर्फ एक Number है।

जब 4 साल की उम्र में इस वजह से माधुरी की तरफ भागे थे आयुष्मान

बॉलीवुड एक्टर आयुषमान बचपन से ही ग्लैमर वर्ल्ड से जुड़े हुए हैं। उनको लेकर एक खबर सामने आई है कि जब उनकी उम्र महज 4 साल थी। वह ग्लैमरल एक्ट्रैस माधुरी दीक्षित को देखकर वो उनकी तरफ भागे थे। हाल ही में इस बारे में खुलासा खुद आयुष्मान ने एक इंटरव्यू में किया है। उन्होंने बचपन, स्कूल और अपनी लव स्टोरी पर बात की। बरेली की बर्फी और शुभ मंगल सावधान के रूप में आयुष्मान की पिछली दो फिल्में बॉक्स ऑफिस पर काफी कामयाब हुई। उन्हें 'विकी डोनर' और 'दम लगा के हइशा' जैसी फिल्मों के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने बताया कि जब वो चार साल के थे। चंडीगढ़ के जगत सिनेमा में माता–पिता के साथ फिल्म देखने गए थे। वो फिल्म अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित की तेजाब थी। इसी दौरान वो पर्दे पर माधुरी को देखकर उनकी ओर लपके थे। वैसे वो अनिल कपूर के फैन रहे हैं। माइंड रॉक्स में उन्होंने राम लखन के एक गाने पर हू–ब–हू– अनिल जैसा डांस किया। खबरों की मानें तो कॉलेज के दिनों में आयुष्मान ने एक प्ले के लिए अपना सिर मुंडवा लिया था। उन्होंने कहा, सिर्फ वही नहीं बल्कि 10 लोगों ने ऐसा किया। अगर किसी एक्ट के लिए उन्हें सिर मुंडाने की जरूरत पड़ी तो वो आगे भी ऐसा करेंगे। आयुष्मान के पिता पी खुराना चंडीगढ़ के मशहूर एस्ट्रोलाजर हैं। हालांकि आयुष्मान का ज्योतिष पर उतना भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा, वो अंगूठी नहीं पहनते और कर्म में विश्वास रखते हैं। पिता के साथ उनका रिश्ता कृष्ण–अर्जुन की तरह है।